राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 10 मई 2025 वर्ष-8,अंक-80 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत के जवाबी हमलों से थर्राया पाकिस्तान... भारत ने पाक के लड़ाकू विमान गिराए और पायलट पकड़े...

- तुम बुजदिल हो शहबाज
- पाकिस्तान ने कल रात दागे थे 500 ड्रोन, 24 शहरों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश
- पाक की मिसाइलें भारत के डिफेंस सिस्टम ने रोकीं।
- भारतीय वायुसेना ने तीन पाकिस्तानी फाइटर जेट गिराए।

नई दिल्ली।

भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया। उसके बाद से बौखलाए पाकिस्तान ने दो बार भारत के कई शहरी इलाकों पर मिसाइल दागी, जिसको भारत के मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम किया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दो जेएफ-17 और एक एफ-16 फाइटर जेट को गिराया। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के दो फाइटर पायलट को भी अपने कब्जे में ले लिया है। भारत ने 8 मई की रात पाकिस्तान के हमलों का जवाब देते हुए पाकिस्तान के लाहौर, कराची और रावलपिंडी में ड्रोन अटैक किए, जिससे वहां भारी तबाही की सूचना है।

संसद में शहबाज को लताड़

पाकिस्तान की शाहबाज सरकार की चारों तरफ आलोचनाओं का शिकार हो रहा है। इस दौरान पाकिस्तान की संसद में सांसद शाहिद खट्टर ने पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ को जमकर सुनाया है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ नरेंद्र मोदी का नाम तक नहीं ले पाते हैं। बुजदिल लीडरशिप के अंडर सेना कभी जंग नहीं पाएगी।

गुजरात के 18 जिले हाई अलर्ट पर

पाकिस्तान ने लगातार दूसरे दिन यानी 8 मई को गुजरात के कच्छ जिले में ड्रोन हमले की कोशिश की। कच्छ सीमा पर ड्रोन हमले की कोशिश करते हुए तीन ड्रोन मार गिराए गए। गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान से हमले की आशंका के चलते राज्य के 18 जिले हाई अलर्ट पर हैं। भुज एयरपोर्ट सेना ने अपने कब्जे में ले लिया है।

बनासकांठा, कच्छ और पाटण के सीमावर्ती इलाकों के गांवों में गुरुवार की रात ब्लैकआउट लागू कर दिया गया था। हालांकि, सुबह होते ही बिजली सप्लाई शुरू कर दी गई।

सोमनाथ मंदिर में सुरक्षा बढ़ाई गई

इसके अलावा राज्य में ज्योतिर्लिंग सोमनाथ, शक्तिपीठ अंबाजी और द्वारका मंदिर जैसे धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। सोमनाथ मंदिर को पहले से ही जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है।

इसके तहत यहां तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है।

इसके साथ ही यहां बम और डॉग स्क्वॉड भी तैनात हैं।

पहला कॉलम

देश में सुरक्षा तैयारियां तेजः गृह मंत्रालय ने आपातकालीन खरीद के लिए राज्यों को दिए निर्देश

नई दिल्ली।

देश के मौजूदा सुरक्षा हालात और पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच गृह मंत्रालय (एमएचए) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सुरक्षा तैयारियों को लेकर कड़ा निर्देश जारी किया है। मंत्रालय ने सिविल डिफेंस नियम, 1968 की धारा 11 के तहत आपातकालीन खरीद में तेजी लाने और आवश्यक वस्तुओं की तुरंत उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है। मंत्रालय के पत्र में कहा गया है कि यदि किसी सिविल डिफेंस एक्सरसाइज के दौरान सायरन, प्राथमिक उपचार किट, टॉर्च, मोमबत्ती जैसी सामग्री की आवश्यकता हो, तो बजट के अभाव में उसे रोका न जाए। स्थानीय निकायों के फंड का उपयोग, जरूरी वस्तुओं की खरीद के लिए, नगर निकायों या पंचायतों के फंड का उपयोग करने की अनुमति दी गई है, और इसे अन्य कार्यों की तुलना में प्राथमिकता दी जाए।

आपातकालीन खरीद की शक्तियां

राज्यों के सिविल डिफेंस निदेशकों को सीधी खरीद की शक्ति देने की सिफारिश की गई है ताकि कोई भी निर्णय तेजी से लिया जा सके। गृह मंत्रालय ने इस निर्देश को अत्यंत आवश्यक मानते हुए तुरंत क्रियान्वयन की के लिए कहा है, और सभी आदेशों की एक प्रति मंत्रालय को भेजने को भी कहा गया है।

काशी विश्वनाथ, श्रीकृष्ण जन्मभूमि, बांकेबिहारी मंदिर में सुरक्षा के अभेद इंतजाम

वाराणसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत पाकिस्तान के बीच अघोषित युद्ध में पूरा यूपी हाईअलर्ट मोड पर है। काशी विश्वनाथ मंदिर को अभेद सुरक्षा में कर दिया गया है। थल, जल और नभ तीनों जगहों से सेना-पुलिस काशी की निगरानी कर रही है। प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों पर सुरक्षाबलों की संख्या बढ़ा दी गई है। काशी विश्वनाथ मंदिर में 600 से अधिक जवान तैनात किए गए हैं जो आम दिनों से अधिक हैं। शुक्रवार सुबह में फैंटम बाइक पर 200 जवान सड़क पर उतरे। लोगों को सुरक्षा का एहसास दिलाया। ड्रोन दिनभर शहर के चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे हैं और गतिविधियों को रिकार्ड कर रहे है। डीजीपी के निर्देश पर इन शहरों की भी सुरक्षा और चौकसी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत मिश्रित आबादी वाले इलाकों में पुलिस टीमें भ्रमणशील रहीं। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारकाधीश के अलावा वृंदावन के बांकेबिहारी, प्रेम मंदिर सहित सभी धार्मिक स्थलों सुरक्षा घेरे में लिया गया हैं।

भारत में चीन की टीम संभालेगी टेस्ला का कारोबार

मुंबई। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला का ऑपरेशन अब चीन की टीम भारत में संभालेगी। टेस्ला के इंडिया हेड प्रशांत मेनन ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 9 साल से वह एलन मस्क के साथ काम कर रहे थे। 4 साल तक वह टेस्ला इंडिया बोर्ड के अध्यक्ष थे। मेनन के इस्तीफा देने के बाद चीन की टीम अब भारतीय कारोबार को संभालेगी। मेनन के स्थान पर अभी कोई दूसरी नियुक्ति नहीं हुई है। भारत और अमेरिका के बीच जिस तरह की नजदीकियां बढ़ रही हैं। सरकार के साथ एलन मस्क की नजदीकी भी बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में मेनन का जाना और उनके स्थान पर कौन आएगा। इसको लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। कार कारोबार के साथ अब सैटेलाइट संचार माध्यम में भी टेस्ला भारत में कारोबार करने जा रही है। जिसके कारण अब लोगों में उत्सुकता बनी है। टेस्ला का भारत मे कारोबार कौन देखेगा।

पाकिस्तान ने भारतीय शहरों पर 300-400 ड्रोन दागे, सेना ने नाकाम किया : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली।

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने एलओसी पर भारी गोलीबारी और घुसपैठ की कोशिश की, जिसके जवाब में भारत ने संयम के साथ सटीक कार्रवाई की है। विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी ने जानकारी दी कि तंगधार, उरी और उधमपुर जैसे सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान की ओर से 36 स्थानों को निशाना बनाने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान ने करीब 300 से 400 ड्रोन्स से हमला किया था। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में यह भी सामने आया है कि इस हमले में तुर्की में निर्मित ड्रोन का इस्तेमाल हुआ है। भारतीय वायुसेना ने तत्काल जवाबी कार्रवाई करते हुए एक ड्रोन काउंटर अटैक में पाकिस्तान की सर्विलांस रडार प्रणाली को पूरी तरह से तबाह कर दिया। कर्नल कुरैशी ने स्पष्ट किया कि इस ऑपरेशन में भारतीय सेना ने अत्यधिक संयम बरतते हुए आम नागरिकों को कोई नुकसान न हो, इसका विशेष ध्यान रखा। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने के बजाय नागरिक विमानों की आड़ में सैन्य हमले किए, जो अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के विपरीत है। ब्रीफिंग के दौरान यह बताया गया कि हमले के समय कराची और लाहौर जैसे बड़े शहरों में यात्री विमान उड़ान भर रहे थे, जिससे कई निर्दोष जानें खतरे में पड़ गई थीं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पाकिस्तान की इस कार्रवाई को उकसावे वाली सैन्य रणनीति करार देते हुए कहा कि तंगधार, उरी, पुंछ, राजौरी, अखनूर और उधमपुर

में की गई गोलाबारी में भारतीय सुरक्षाबलों को कुछ नुकसान पहुंचा, लेकिन भारत की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को भारी सैन्य क्षति उठानी पड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान द्वारा ड्रोन हमले की असफल कोशिशों के बावजूद अपने हवाई क्षेत्र को खुला रखना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा भी है। उन्होंने पाकिस्तान पर नागरिक विमानों को सैन्य ढाल की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के हमले का मकसद भारतीय रक्षा प्रणाली के बारे में जानकारी इकट्ठा करना था, जिसे नाकाम कर दिया गया।

कोर्ट में पेश किया गया मुंबई हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा

- 6 जून तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली।

मुंबई हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा को आज यानी (शुक्रवार) कोर्ट में पेश किया गया। तहव्वुर राणा को छह जून 2025 तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अदालत में बंद कमरे में चली कार्यवाही के दौरान एनआईए ने तहव्वुर राणा से कई अक्षर और अंक लिखवाए। वहीं, राणा की आवाज के नमूने एनआईए के दफ्तर में लिए गए। राणा की ओर से पेश कानूनी सहायक अधिवक्ता पीयूष सचदेव ने कहा कि राणा ने आवाज और लिखावट के नमूने देने के लिए हाल में दिए गए अदालती आदेश का पालन किया है।

मणिपुर में 9 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने तीन जिलों से कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के चार सदस्यों को थौबल जिले से और यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के तीन सदस्यों को थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया। वहीं, कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (नोयोन) के एक सदस्य को इंफाल ईस्ट जिले से और केसीपी(पीडब्ल्यूजी) के एक उग्रवादी को बिष्णुपुर से गिरफ्तार किया गया। उग्रवादियों के पास से देशी पिस्तौल और हथगोले समेत गोला-बारूद जब्त किया गया।

राफेल बनाने वाली कंपनी के शेयर चढ़े

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान टेंशन के बीच राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन का शेयर बीते 2 हफ्ते में 8 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ा है। 2025 में अब तक कंपनी के शेयर में 63 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आई है। हालांकि, आज शुक्रवार को पेरिस में लिस्टेड डसॉल्ट एविएशन का शेयर 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ 320 यूरो यानी 30,808 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। बीते 5 दिन में भी कंपनी का शेयर करीब 2.5 प्रतिशत गिरा है। 2 हफ्ते पहले 25 अप्रैल को कंपनी का शेयर 297 यूरो (28,596 रुपए) पर था। वहीं 31 दिसंबर 2024 को कंपनी का शेयर 195 यूरो यानी 18,774 रुपए पर था। वहीं बीते 6 महीने में कंपनी का शेयर 60 प्रतिशत चढ़ा है। अभी डसॉल्ट एविएशन का मार्केट कैप 2.61 बिलियन यूरो यानी 25,125 करोड़ रुपए है।

पीएम शहबाज़ गीदड़ हैं, मोदी के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलाः सांसद शाहिद

- पाकिस्तान सरकार बोलीं- करांची पोर्ट पूरी तरह सुरक्षित, उड़ाने की खबर झूठी

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के सांसद शाहिद अहमद खट्टक ने पीएम शहबाज शरीफ को गीदड़ कहा है। नेशनल असेंबली में बोलते हुए शाहिद ने कहा कि पीएम शहबाज ने भारत के पीएम मोदी के खिलाफ एक शब्द नहीं कहा।

दूसरी तरफ पाक सरकार ने करांची पोर्ट को उड़ाने से जुड़ी खबरों को झूठा बताया है। करांची पोर्ट के एक्स हैंडल ने इसकी जानकारी देते हुए पोर्ट को सुरक्षित बताया है।

वहीं पाकिस्तान सेना प्रवक्ता ने शुक्रवार को दावा किया कि अब तक भारत के 35 ड्रोन को मार गिराया है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के हमलों में उनके 31 लोग मारे गए हैं जबकि 57 घायल हुए हैं। इससे पहले गुरुवार को पाक सेना ने 25 ड्रोन को मार गिराने की बात कही थी। सेना प्रवक्ता के मुताबिक भारत ने 9 जगहों पर ड्रोन हमले किए।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि बुधवार को हुए भारतीय ड्रोन हमलों का मकसद पाकिस्तान के अंदर ठिकानों की पहचान करना था। दरअसल पाकिस्तान ने गुरुवार बताया था कि भारत ने उसकी 9 जगहों पर ड्रोन से हमला किया है।

इस दौरान पाक ने 25 ड्रोन को मार गिराने का दावा भी किया। पाक अधिकारियों के मुताबिक इन ड्रोन्स को अगर एयर डिफेंस सिस्टम से मारा जाता तो, उन एयर डिफेंस की जानकारी भारत को मिल जाती।

शुक्रवार को पाकिस्तान की नेशनल एसेंबली में सांसद शाहिद ने शहबाज शरीफ पर हमला बोला और कहा कि उनकी तरफ से भारत को लेकर एक भी बयान नहीं आया है। सांसद ने कहा मुझे टीपू सुल्तान का एक बयान याद आ रहा है।

अगर एक सैन्य टुकड़ी जिसका सरदार शेर हो और उस लश्कर में गीदड़ हों तो वो सभी शेर की तरह लड़ते हैं।

वहीं, अगर शेरों के लश्कर का सरदार गीदड़ हो तो वे नहीं लड़ सकते। वे जंगे हार जाते हैं। सांसद इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने शहबाज शरीफ को बुजदिल बताया।

पाकिस्तानी सांसद ने आगे कहा कि इस वक्त बॉर्डर पर खड़ा फौजी हमारी तरफ उम्मीद से देख रहा है। देश का पीएम आईना होता है। वो उसकी तरफ देख रहा है कि हमारा लीडर दिलेरी से मुकाबला करेगा। उन्होंने कहा कि जब देश का पीएम बुजदिल हो.. मोदी का नाम तक न ले सके, वो बॉर्डर पर खड़े फौजी को क्या पैगाम देगा?

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच बीसीसीआई का बड़ा फैसला

- आईपीएल 2025 का सत्र एक हफ्ते के लिए स्थगित

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया है। बीसीसीआई ने तनाव को देखते हुए आईपीएल 2025 का सत्र बीच में ही एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि फिलहाल लीग को एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। इसके बाद हम हालात का जायजा लेंगे और फैसला करेंगे। इसके लिए बोर्ड अलग से कार्यक्रम जारी करेगा। लीग के लिए विंडो को लेकर पूछ गए सवाल में उन्होंने कहा कि सभी बोर्ड हमारा समर्थन करते हैं। ऐसे में विंडो कोई चिंता की बात नहीं है। विदेशी खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर उन्होंने कहा कि यह उनका निजी फैसला होगा, वो खुद ही इस पर फैसला लेंगे। इससे पहले आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने गुरुवार रात बताया था कि मौजूदा स्थिति में आईपीएल का 18वां सत्र जारी रहेगा, लेकिन अब बोर्ड में इसे स्थगित करने का फैसला किया है।

भारत-पाक तनाव चरम परः क्या युद्ध के संकेत दे रहा है पाकिस्तान?

नई दिल्ली।

भारत के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की बौखलाहट अब युद्ध की धमकियों में बदलती दिख रही है। शुक्रवार को पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भारत पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि भारत के व्यवहार ने दो परमाणु-सशस्त्र देशों को संघर्ष की कगार पर ला खड़ा किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान के इस बयान को राजनीतिक दबाव और आतंरिक विफलताओं से ध्यान भटकाने की कोशिश माना जा रहा है। वहीं, भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी कार्रवाई आतंक के खिलाफ है, न कि आम नागरिकों या किसी देश के खिलाफ। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए। इन ठिकानों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षु मौजूद थे। पाकिस्तान ने भारत के जम्मू, पठानकोट, जैसलमेर जैसे शहरों पर ड्रोन और मिसाइल हमलों की नाकाम कोशिश की, जिन्हें भारत की एस-400 डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही नष्ट कर दिया। भारतीय वायुसेना ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के तीन एफ-16 जेट और रडार सिस्टम तबाह कर दिए।

एलओसी पर भी बढ़ा तनाव

पुंछ, राजौरी, उरी और कुपवाड़ा जैसे अग्रिम क्षेत्रों में पाकिस्तान की ओर से लगातार गोलीबारी की जा रही है, जिसमें अब तक 17 भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। सेना के अनुसार, पाकिस्तान की इस हरकत का माकूल जवाब दिया जा रहा है। पाकिस्तान की ओर से बार-बार परमाणु युद्ध की धमकी देना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय में उसकी साख को और गिरा रहा है। भारत की नीति स्पष्ट है – आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि।

डिप्टी कलेक्टर को बनाया जाए तहसीलदार

उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने दिया ओदश

नई दिल्ली।

उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करने से नाराज सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश सरकार के एक अधिकारी को पदावनत करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि उच्च न्यायालय के आदेश की अवमानना करने वाले डिप्टी कलेक्टर को पदावनत कर तहसीलदार के पद पर नियुक्ति करें। दरअसल उच्च न्यायालय ने आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में झोपडियां न हटाने का निर्देश दिया था, लेकिन अधिकारी ने उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना की। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने पर कड़ी नाराजगी जताई। पीठ ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी, चाहे वो कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो, वह अदालत द्वारा पारित आदेशों का सम्मान करने के लिए बाध्य हैं। पीठ ने कहा कि न्यायालय के आदेश की अवहेलना कानून के शासन की उस नींव पर हमला है, जिस पर हमारा लोकतंत्र आधारित है। पीठ ने कहा कि हालांकि हम नरम रुख अपनाते हैं, लेकिन सभी को यह संदेश दिया जाना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी ऊंचा क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के उस आदेश की पुष्टि की, जिसमें अधिकारी को उच्च न्यायालय के आदेश की जानबूझकर और पूरी तरह से अवज्ञा करने का दोषी पाया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारी को दो महीने जेल की सजा सुनाने वाले उच्च न्यायालय के आदेश को संशोधित किया। पीठ ने कहा, हम सजा को संशोधित कर रहे हैं और याचिकाकर्ता को उसकी सेवा के पदानुक्रम में एक स्तर की कमी करने की सजा सुनाई जाती है।

अधिकारी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया

गौरतलब है कि जिस अधिकारी को पदावनत करने का आदेश दिया गया है, उन्हें साल 2023 में तहसीलदार पद से ही डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति दी गई थी। पीठ ने

अधिकारी पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने का भी आदेश दिया है। न्यायमूर्ति गवई ने आदेश देते हुए कहा, हम चाहते हैं कि पूरे देश में यह संदेश जाए कि अदालत के आदेश की अवमानना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बता दें कि जिन अधिकारी को पदावनत किया गया है, उन्होंने ही उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत ने आर्थिक प्रगति के बल पर आतंकवादी ठिकानों को किया नेस्तनाबूद

प्रहलाद सबनानी

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है।

भारत ने अंततः पाकिस्तान के कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर ही दिया। भारत के इस कठोर कदम से भारतीय नागरिकों को संतुष्टि मिली है, विशेष रूप से उन परिवारों को जिन्होंने हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों के हमले में अपने सगे सम्बन्धियों को खोया है। विश्व के लगभग समस्त देशों ने भारत के इस कदम का समर्थन ही किया है क्योंकि आतंकवादियों से अपने देश के नागरिकों की रक्षा करना किसी भी देश की सरकार का प्रथम कर्तव्य है। भारत को पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर हमले करने का साहस कहां से मिलता है। यह मिलता है भारतीय नागरिकों की एकजुटता से, वर्तमान केंद्र सरकार पर देश के नागरिकों का भरपूर विश्वास है एवं वह यह सोचती है सही समय पर एवं सही स्थान पर भारतीय सेना आतंकवादियों पर हमला करके अपने नागरिकों के मारे जाने का बदला जरूर लेगी। दूसरे, संभवतः भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति से भी केंद्र सरकार को कठोर निर्णय लेने का बल मिलता है। इस संदर्भ में, हाल ही में अच्छी खबर यह आई है कि भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चोथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है एवं संभवतः वर्ष 2026 के अंत तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था आज भी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। विश्व के लगभग समस्त वित्तीय संस्थान भारत के संदर्भ में यह भविष्यवाणी करते हुए दिखाई दे रहे है कि आगे आने वाले कई दशकों तक भारत इसी प्रकार विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना रहेगा।

भारत ने पिछले 10/11 वर्षों के दौरान वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रमों को लागू किया है। जिसका परिणाम स्पष्ट रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। माह अप्रेल 2025 में वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण नित नई ऊंचाईयां छूते हुए 2.37 लाख करोड़ रुपए के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। यह सब देश के नागरिकों द्वारा अप्रत्यक्ष करों के नियमों का अनुपालन करने के चलते सम्भव हो पा रहा है। अप्रेल 2025 माह में ही फैक्ट्री उत्पादन के मामले में पिछले 10 माह के उच्चत्तम स्तर को पार किया गया है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत अमेरिकी डॉलर की तुलना में तेजी से बढ़ती जा रही है और यह अपने पिहले 7 माह के उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई है। और तो और, सरकारी उपक्रमों एवं निजी कम्पनियों की

लाभप्रदता में भी भारी सुधार देखने में आ रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान भारतीय स्टेट बैंक ने 70,901 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसी प्रकार, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 69,621 करोड़ रुपए, एचडीएफसी बैंक ने 64,062 करोड़ रुपए, ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, टाटा कंसल्टैसी सर्विसेज लिमिटेड ने 45,908 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक ने 44,256 करोड़ रुपए, इंडियन आइल कॉर्पोरेशन ने 41,729 करोड़ रुपए, लाइफ इन्शुरन्स कॉर्पोरेशन ने 40,915 करोड़ रुपए, कोल इंडिया लिमिटेड ने 37,402 करोड़ रुपए एवं टाटा मोटर्स लिमिटेड ने 31,399 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। आपको ध्यान में होगा कि आज से कुछ वर्ष पर तक केंद्र सरकार को कई सरकारी उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए लाखों करोड़ रुपए की सहायता केंद्रीय बजट के माध्यम से इन सरकारी उपक्रमों की करनी होती थी। आज स्थित एकदम बदल गई है एवं आज ये लगभग समस्त उपक्रम केंद्र सरकार के लिए कमाऊ पूत की भूमिका निभाते हुए नजर आ रहे हैं एवं करोड़ों रुपए का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध करा रहे हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा इन उपक्रमों में सुधार कार्यक्रमों को लागू करने के चलते ही सम्भव हो सका है।

वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में भारत भयावह स्थिति में पहुंच गया था तथा उस समय भारत के पास केवल 15 दिवस के आयात के बराबर ही विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था और भारत को अपने स्वर्ण भंडार को ब्रिटेन के बैंकों में गिरवी रखकर विदेशी मुद्रा भंडार की व्यवस्था करनी पड़ी थी। आज स्थिति इस ठीक विपरीत है आज भारत के पास लगभग एक वर्ष के आयात के बराबर की राशि का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है और यह 68,813 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के ऊपर निकल गया है जो भारत के इतिहास में आज तक के उच्चत्तम स्तर के बहुत करीब है। इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत से विभिन्न उत्पादों एवं सेवा क्षेत्र के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर 82,490 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। जिसके चलते भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में अतुलनीय सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत से विभिन्न देशों को निर्यात में अभी और सुधार होता हुआ दिखाई देगा क्योंकि भारत ने हाल ही में ब्रिटेन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है इससे भारत के सेवा क्षेत्र को अत्यधिक प्रोत्साहन मिलने जा रहा है और ब्रिटेन में भारतीय इंजिनीयर एवं डाक्टर के साथ ही अन्य क्षेत्रों में कार्य करने के लिए भारतीयों की मांग में वृद्धि दृष्टिगोचर होगी। अमेरिका के साथ भी भारत का द्विपक्षीय व्यापार समझौता अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और यूरोपीयन यूनियन देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता दिसम्बर 2025 तक सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इसके बाद भारत से विकसित देशों को निर्यात निश्चित रूप से बढ़ेंगे और इसके चलते बहुत सम्भव है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के निर्यात अपने उच्चत्तम स्तर अर्थात एक लाख करोड़ अमेरिको डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएं। यदि ऐसा होता है तो भारत में विदेशी मुद्रा भंडार भी एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकते हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी कम होती हुई अर्थात लगभग 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर स्थिर होती हुई दिखाई दे रही हैं जबकि भारत अपने उपयोग का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चे तेल का आयात विभिन्न देशों से करता है। साथ ही, भारत को स्वर्ण के आयात को भी नियंत्रण में रखना होगा। इससे, भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में और अधिक मजबूत होगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई कमी और वर्ष 2025 के खरीफ मौसम के दौरान मौसम विभाग द्वारा की गई सामान्य से अधिक मानसून की भविष्यवाणी के कारण खुदरा कृषि क्षेत्र में मुद्रा स्फीति (महंगाई) की दर मार्च 2025 माह में कम होकर 3.73 प्रतिशत के निचले स्तर पर पहुंच गई है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी आगे निकल गया है। इससे भारतीय नागरिकों की आय भी लगभग दुगनी हो गई है एवं गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भी भारी कमी दर्ज हुई है। इससे देश के नागरिकों में उत्साह का माहौल जागा है तथा वे एकजुट होकर केंद्र सरकार के आतंकवाद के विरुद्ध लिए जा रहे निर्णयों का भारी समर्थन करते हुए दिखाई दे रहे है। इससे यह सिद्ध हो रहा है कि भारत की आर्थिक क्षेत्र में मजबूती के चलते केंद्र सरकार को भी आतंकवाद के विरुद्ध कड़े निर्णय लेने में कोई हिचक नहीं हो रही है। साथ ही, भारत की लगातार मजबूत हो रही आर्थिक स्थिति के चलते विश्व के अन्य कई देश भी आतंकवाद की लड़ाई में भारत के साथ खड़े नजर आ रहे है। आगे आने वाले समय में भारत की आर्थिक स्थित जितनी अधिक सुदृद्ध होती जाएगी, वैश्विक पटल पर भारत के लिए अन्य देशों का समर्थन और अधिक मजबूत होता जाएगा। और फिर, उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भारत को अपनी एवं भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने का अधिकार भी तो है। भारत की आर्थिक स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, केंद्र सरकार के सुरक्षा सम्बंधी निर्णय भी उतने ही मजबूत रहेंगे।

संपादकीय

भारत का करारा जवाब

जैसी उम्मीद थी भारत ने पहलगाम हमले का करारा जवाब पाकिस्तान की सरकार, सेना और वहां पल-बढ़ रहे आतंकवादियों को दिया। मंगलवार देर रात सेना के लड़ाकू विमानों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के नौ ठिकानों को जमींदोज कर दिया। इनमें जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षण शिविर और मुख्यालय शामिल हैं। खुद पाकिस्तानी सेना ने भारत के इस रणनीतिक हमले को स्वीकारते हुए कहा कि इन हमलों में कम-से-कम 31 लोग मारे गए और 57 अन्य जख्मी हैं।

दरअसल, कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 पर्यटकों की कायरतापूर्वक हत्या किए जाने के बाद से ही देश में उबाल है। सरकार पर इस बात का भारी जन दबाव था कि वह पाकिस्तान को कभी न भूलने वाला सबक सिखाए। उस घटना के बाद से ही यह कयास लगाए जाने लगे थे कि भारत पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। अच्छी बात यह है कि भारत ने पाकिस्तान के किसी रिहायशी इलाकों में बम नहीं गिराए। बेहद सटीक और गुप्त खुफिया जानकारी के आधार पर सेना ने उन अड्डों को चुना जहां आतंकवादी न केवल ट्रेनिंग लेते हैं बल्कि उनके परिवार के लोग भी शरण पाए हुए थे। स्वाभाविक है, कई दिनों की बैठकों के बाद केंद्र सरकार और सेना के आला अधिकारियों के दिलोदिमाग में था कि इस बार चुन-चुनकर आतंकवादियों को जहन्नुम पहुंचाया जाए। सरकार की हरी झंड़ी मिलते ही सेना अपने काम में जुट गई। हालांकि अभी भी दोनों देशों के बीच भारी तनाव की स्थिति है। पाकिस्तान इतने पर भी यह समझ पाने में असमर्थ है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने या उसका इस्तेमाल पड़ोसी मुल्क में करने के नुकसान भयावह हैं, मगर वह इसे मानने को राजी नहीं है। कई सारे देशों ने भारत की कार्रवाई पर संयमित टिप्पणी की है और तनाव को कम करने का सुझाव भी दिया है, मगर लाख टके का सवाल यह है कि पाकिस्तान को समझाने-बुझाने की बजाय तनाव को और ज्यादा बढ़ाने से केवल पाकिस्तान का ही नुकसान होगा। किसी के इशारों या उसकी गोद में खेलने की बजाय पाकिस्तान के हुक्मरानों को आतंकवाद का खेल अब जमीन में गाड़.देना चाहिए। वहां की अवाम को भी अपनी सरकार से अमन और सौहार्द से रहने का दबाव बनाना चाहिए।

जय हिंद ... जय हिंद की सेना

राधा रमण

दुनिया जानती है कि मानव सभ्यता के लिए आतंकवाद सबसे बड़ा खतरा है और पड़ोसी देश पाकिस्तान इसका पोषक। इसको लेकर भारत समय-समय पर अंतर्राष्ट्रीय फोरम पर मामला उठाते रहा है। देश की आजादी के बाद से ही पाकिस्तान के शासक और पाकिस्तान की सेना को जब भी मौका मिला उन्होंने भारत और भारतीयों के सीने में खंजर भोंकने की कोशिश की। देश ने हर बार इसका प्रतिवाद किया लेकिन दुष्ट पड़ोसी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है। आजादी के बाद पाकिस्तान ने 1965, 1971 और 1999 में भारत से आमने-सामने की युद्ध किया और हर बार बुरी तरह पराजित हुआ। उसके सैनिकों तक ने सरेंडर किया। उसकी सैकड़ों एकड़ जमीन भारत के कब्जे में आई। लेकिन हर बार माफी मांगने के बाद भारत ने उसे माफ कर दिया। कहने की जरूरत नहीं कि दुनिया को अब पता चल गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में आज का भारत नया भारत है। यह न तो किसी पर अन्याय करता है न अन्याय सहता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो वर्षों से कहते रहे हैं कि ह्यहम किसी को छेड़ेंगे नहीं और अगर किसी ने अकारण छेड़ा तो छोड़ेंगे भी नहीं।ह्य

ताजा मामला पिछले माह की 22 अप्रैल का है जब परिवार के साथ पहलगाम के बायसरन घूमने गए निहत्थे पर्यटकों पर पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी और धर्म पूछ-पूछकर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। दुखद और दर्दनाक यह कि उन्होंने महिलाओं के सामने ही उनके पतियों को मारकर उनकी मांग का सिन्दूर पोंछ दिया। यही नहीं तब से लेकर 6 मई की रात तक पाकिस्तानी सेना सीमा पर लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन करती रही। आखिर भारत कब तक चुप बैठता ! हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री लगातार दुनिया के देशों को पाकिस्तान की हरकत बताते रहे, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। आखिर में सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर देश के विपक्षी दलों से उनकी राय पूछी तो सबने मुक्तकंठ से सरकार को देश रक्षा के लिए कदम उठाने की खुली छूट दे दी। नतीजतन, राष्ट्रपति की सलाह पर सरकार ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय बेटियों के सामने उनकी मांग का सिन्दूर पोंछनेवाले आतंकियों को सबक सिखाने के लिए इस मिशन का नाम ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्ण रखा और कहा कि, समय, स्थान और तरीका सेना खुद तय करे।

फिर 6-7 मई की रात जो कुछ हुआ उसे दुनिया ने देखा। रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच महज 25 मिनट के सैन्य ऑपरेशन में हमारे जांबाज सैनिकों ने पाकिस्तानी आतंकियों की चूल हिला दी। पाकिस्तान सीमा के भीतर 100 किलोमीटर घुसकर उसके नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसमें जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण स्थल बहावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह, तेहरां कला स्थित सरजाल, कोटली में मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल शामिल है। इसी तरह लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी ठिकाने मुरीदके में मरकज तैयबा, बरनाला में मरकज अहले हदीस और मुजफ्फराबाद में सवाई नाला पर बम बरसाये गए। इसके अलावा हमारे जाबांज हिजबुल मुजाहिदीन की शरणस्थली कोटली का मरकज राहिल शाहिद (गुलपुर कैंप) और सियालकोट स्थित मेहमूना जोया पर काल बनकर टूटे। लक्षित हमले में पांच गुलाम कश्मीर (पीओके) और चार पाकिस्तान के हैं। भारतीय सेना के हमले में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के नौ परिजन और 5 शागिर्द भी मारे गए हैं। बताया तो यह भी जाता है कि इनमें मसूद अजहर का छोटा भाई अब्दुल रऊफ अजहर भी मारा गया। अब्दुल रऊफ जैश-ए-मोहम्मद का ऑपरेशन हेड होने के साथ-साथ मसूद अजहर का दाहिना हाथ माना जाता था। बताया जाता है कि अमेरिकी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या अब्दुल रऊफ अजहर ने ही की थी। वर्ष 1999 में हुए भारतीय विमान आईसी-814 के अपहरण में भी अब्दुल रऊफ अजहर का नाम आया था। उसे विमान अपहरण का मास्टर माइंड बताया गया था। उस मामले में तत्कालीन सरकार ने जिन तीन आतंकियों को जेल से रिहा किया था, उसमें मसूद अजहर भी शामिल था।

आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पिछले 25 वर्षों से निरीहों की मौत का सौदागर मसूद अजहर अपनों की मौत पर जार-जार रोते दिखाई पड़ रहा है। रोते-रोते वह कहता है कि ह्ययह देखने से पहले काश, मैं भी मर गया होता।ह्य मसूद अजहर पहले हरकत-उल-मजाहिद्दीन और हरकत-उल-अंसार का कमांडर हुआ करता था। आजकल पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की पनाह में एबटाबाद के किसी गुप्त ठिकाने पर मुंह छिपाकर बैठा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर छापामार हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में ब्यौरा देते हुए बताया कि भारतीय सैन्य हमले में सौ से अधिक आतंकी मारे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्ण अभी बंद नहीं किया गया है। अभी तक हमने पाकिस्तानी नागरिकों और सैन्य ठिकानों पर आक्रमण नहीं किया है। हमने अभी केवल कुछ आतंकी ठिकाने नष्ट किये हैं। यह बानगी भर हैं। हम पाकिस्तान के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। अगर, इतने पर भी नापाक पाकिस्तान अपनी हिमाकत और हरकत से बाज नहीं आया तो भारत फिर धावा बोलेगा। हमारी सेना पाकिस्तान से सीधी लड़ाई के लिए भी कमर कसकर तैयार है। निःसंदेह ऐसा कहकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गेंद पाकिस्तान के पाले में डाल दी है। भारतीय सैनिकों की जांबाजी से पाकिस्तान के हौसले पस्त हो गए हैं। कल तक परमाणु हथियार की गीदड़भभकी देनेवाले पाकिस्तानी राजनेता अब विश्व समुदाय के पास भारत से बचाने की गुहार लगाते फिर रहे हैं। हालांकि आतंक की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान में वहां के राजनेताओं की कम ही चलती है। वहां सरकार पर सेना का नियंत्रण रहता है और आतंकियों को सेना की शह मिलती रही है। यही कारण है कि 8 मई की रात आतंकियों के समर्थन में पाकिस्तानी सेना ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी, मेंढर, पुंछ, अवंतीपोरा, सांबा, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, जैसलमेर, फालोदी, भुज आदि कई स्थानों पर 50 से अधिक मिसाइल और आत्मघाती ड्रोन से हमला कर दिया जिसे भारतीय सेना ने आकाश में ही नाकाम कर दिया। यही नहीं, जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान का लाहौर और कराची स्थित एयर डिफेन्स सिस्टम और रावलपिंडी का स्टेडियम तबाह कर दिया। भारत ने ह्यऑपरेशन सिन्दूरह्ण के तहत पाकिस्तान के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान भारत से खुला युद्ध करने और आमादा है। दूसरी तरफ उसकी आतंरिक स्थिति भी ठीक नहीं है। आर्थिक मोर्चे पर बेहाल पाकिस्तान को बलूच विद्रोहियों से निपटना भी मुश्किल हो रहा है। समय-समय पर बलूच लिबरेशन आर्मी के लड़ाके पाकिस्तानी सैनिकों को मारते-पीटते रहते हैं। इसके अलावा पीओके का बड़ा तबका भारत में घुसने और पनाह के लिए तैयार बैठा है।

इससे पहले कैबिनेट की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बायसरन हमले के बाद देश की जनता आशा-भरी निगाह से सरकार की ओर देख रही थी। इसलिए जो कुछ हुआ, वह होना ही था। भारत हमेशा से अहिंसा का पुजारी रहा है, आज भी है, लेकिन हम अपने नागरिकों की सुरक्षा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। यह नया भारत है जो दुश्मन की आँख में आँख डालकर बात करता है। कोई हमारी तरफ गलत नजर रखेगा तो हम उसको उसी की भाषा में जवाब देना जानते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यवहार कुशलता के कारण अमेरिका, रूस, फ्रांस समेत दुनिया के अधिकांश देश यह मानते हैं कि भारत को अपनी सुरक्षा करने का पूरा हक है। बायसरन में पिछले माह जो हुआ उसे कत्तई सही नहीं ठहराया जा सकता। बायसरन की घटना मानवीयता को शर्मसार करनेवाली है। इस बीच, अमेरिकी डेमोक्रेटिक सांसद रो खन्ना ने पाकिस्तान आर्मी चीफ को तानाशाह बताते हुए कहा कि पाकिस्तान भारत के हमले का पलटवार करने की गलती नहीं करे, अन्यथा उसे भारी पड़ेगा।

बहरहाल, दोनों देश युद्ध के मुहाने पर खड़े हैं। पाकिस्तानी सेना के दबाव में वहां के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ आतंकियों की मौत का बदला लेने की बात कर रहे हैं। दुनिया ने देखा कि आतंकियों के अंतिम संस्कार में वहां की सेना के बड़े अधिकारी और राजनेता कैसे मातम मना रहे थे। इधर, भारत के जांबाज सैनिक पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने की बाट जोह रहे हैं। हालांकि युद्ध किसी समस्या का निदान नहीं है। लेकिन राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर इस बात से इत्तेफाक नहीं रखते। तभी तो वह ह्यकुरुक्षेत्रह्ण में लिखते हैं कि -

युद्ध को तुम निन्द्य कहते हो, मगर,
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ
भिन्न स्वर्थों के कुलिश-संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है।

चिंतन-मनन

काम में तल्लीनता

एक साधक से पूछा गया-आप साधना करते हैं? उसने कहा, जब भूख लगती है, तब खा लेता हूं और जब नींद आती है, तब सो जाता हूं। यही है मेरी साधना। उसने कहा, बड़ी सीधी बात है। यह तो मैं भी कर सकता हूं। साधक से कहा, अच्छा आओ, भोजन करें। दोनों भोजन करने बैठे। भोजन पूरा हुआ। साधक ने पूछा, भोजन कर लिया? हां, कर लिया।

क्या खाया?

रोटी, शाक, चावल और मिठाई।

केवल भोजन ही किया या कुछ स्मृति और कल्पना भी की? भोजन करते-करते अनेक स्मृतियां सामने आ गई। मीठी-मीठी कल्पनाएं भी कीं। भोजन यंत्रवत् चलता रहा और मैं उन स्मृतियों और कल्पनाओं में डूबता रहा। परोसी हुई थाली खाली हो गई। हाथ धोकर उठ खड़ा हुआ। साधक ने कहा, भाई! तुमने भोजन कहां किया? भोजन कहां खाया? तुमने तो स्मृतियां खाई हैं, कल्पनाएं खाई हैं, विचार खाया है, रोटी और मिठाई कहां खाई

केवल रोटी और मिठाई खाना बहुत कठिन होता है। आदमी विचार खाता है, कल्पना खाता है। आयुर्वेद का एक सूत्र है, तन्मना भुजीत- भोजन करते समय इसी बात का ध्यान रहे कि मैं भोजन कर रहा हूं। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से कही हुई बात है, किन्तु साधना की दृष्टि से यह और अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है। साधक जो काम करे वह उसी में तन्मय बन जाए अन्यथा व्यक्तित्व खण्डित हो जाता है। डुयल पर्सनेलिटी खतरनाक होती है। जहां खंडित व्यक्तित्व होता है, वहां कोई सम्बन्ध स्थापित नहीं हो सकता।

जेनेरिक दवाएं लिखने के कानूनी आदेश का उजाला

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों को मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने एवं किसी विशेष कंपनी की दवाइयां न लिखने की नसीहत देकर न केवल गरीब मरीजों को राहत पहुंचाई है बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में व्याप्त मनमानी, मूल्यहीनता, रिश्वत एवं अनैतिकता पर अंकुश लगाने की दिशा में सराहनीय एवं प्रासंगिक पहल की है। सुप्रीम कोर्ट से पहले राजस्थान उच्च न्यायालय ने भी ऐसा ही फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की पीठ संदीप मेहता, विक्रम नाथ और संजय करोल ने दवा कंपनियों से जुड़ी याचिका की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की है। इस याचिका में दवा कंपनियों पर मनमानी एवं रिश्वतखोरी का आरोप लगाया गया था। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर पूरे देश में इस फैसले का पालन हो, तो इससे अहम सुधार हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- डॉक्टरों पर अक्सर दवा कंपनियों से रिश्वत लेने का आरोप लगता है। ऐसे में अगर डॉक्टर जेनेरिक दवाएं लिखेंगे, तो उनपर लगने वाले इल्जाम का मुद्दा भी हल हो जाएगा। ऐसा करने से एक बड़ी आबादी को सस्ती एवं अचूक दवाओं का लाभ मिल सकेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जेनेरिक दवाइयों को जनव्यापी बनाने की दिशा में सार्थक पहल की है। पूरी दुनिया में जेनेरिक दवाइयों को ज्यादा स्वीकार्य बनाने के लिए व्यापक स्तर पर काम हो रहा है, लेकिन दवा माफिया इसमें बाधाएं खड़ी कर रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता से दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है, जो बड़ी आबादी की एक बड़ी समस्या का सटीक समाधान होगा।

निश्चित ही डॉक्टर अगर सिर्फ जेनेरिक दवाएं लिखें तो दवा कंपनियों की रिश्वतखोरी बंद हो सकती है। शीर्ष अदालत उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें फार्मास्युटिकल मार्केटिंग की समान संहिता पर कानून बनने तक दवा कंपनियों की अनैतिक विपणन प्रथाओं को नियंत्रित करने के दिशा-निर्देश की मांग की गई थी। भारत में किफायती जेनेरिक दवाओं का उत्पादन एवं प्रचलन एक जीवन रेखा है, लेकिन इसके गुणवत्ता के आश्वासन को मजबूत करने के साथ डाक्टरों की मनमानी पर नियंत्रण करना होगा, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की पहल एक रोशनी बनेगा। आज जबकि देश में लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं, जैसे-जैसे चिकित्सा-विज्ञान का विकास हो रहा है, नयी-नयी बीमारियां एवं उनका महंगा इलाज एवं महंगी दवाइयां बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। इसलिये जेनेरिक दवाओं पर भरोसा और दुनिया में इसकी मांग, दोनों में इजाफा हुआ है। मोदी सरकार ने जेनेरिक दवाओं को ज्यादा स्वीकार्य बनाने एवं सर्वसुलभ कराकर एक अभिनव स्वास्थ्य क्रांति का सूत्रपात किया है।

जेनेरिक दवाएं, जो ब्रांडेड दवाओं का सस्ता विकल्प होती हैं, वही सक्रिय तत्व (एक्टिव इंग्रेडिएंट) रखती हैं और उतनी ही प्रभावी होती हैं। फिर भी, इनका उपयोग भारत में अपेक्षाकृत कम है, क्योंकि डॉक्टरों पर कोई बाध्यकारी कानून नहीं है। हालांकि, भारतीय मेडिकल काउंसिल ने डॉक्टरों को जेनेरिक दवाएं लिखने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, लेकिन ये बाध्यकारी नहीं, एक स्वैच्छिक संहिता है, जिसका पालन डाक्टर अपनी मर्जी से करते हैं। कोर्ट ने दवा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर तत्काल रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता पर बल दिया। कोर्ट की यह टिप्पणी स्वास्थ्य क्षेत्र की दिशा में एक अहम कदम हो सकता है। यहीं नहीं, आम जनता को सस्ती और सुलभ दवाओं का भी मार्ग प्रशस्त हो सकता है। भारत में दवा उद्योग एक विशाल और जटिल क्षेत्र है, जहां दवा कंपनियां अक्सर अपने मुनाफे को बढ़ाने के लिए अनैतिक तरीकों का सहारा लेती हैं। ये कंपनियां डॉक्टरों को मुफ्त उपहार, विदेश यात्राएं, महंगे रात्रिभोज और अन्य प्रलोभन देकर अपनी ब्रांडेड दवाओं को प्रचारित करने के लिए प्रेरित करती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जी एंटरटेनमेंट का मुनाफा मार्च तिमाही में बढ़कर 188.4 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। भारतीय मीडिया कंपनी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइज लिमिटेड ने जनवरी से मार्च 2025 तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने कहा कि इस तिमाही में कुल आमदनी का विस्तार दर्ज किया गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में एक उच्च स्तर पर है। इस समयकाल में कंपनी ने विज्ञापन और सेवाओं से आय को बढ़ावा दिया, जो कि विपणन और समर्थन के क्षेत्र में जारी रहा। हालांकि, इस तिमाही में विज्ञापन से आमदनी में थोड़ी कमी भी देखी गई है, लेकिन कंपनी ने कहा है कि यह कमी अशुद्ध विज्ञापन वातावरण के कारण हुई और कंपनी ने इसे सुधारने के लिए कदम उठाए हैं। जी एंटरटेनमेंट के ग्राहकों और निवेशकों ने इस प्रेरणादायक समाचार का स्वागत किया है और उन्होंने कंपनी की कार्यक्षमता की सराहना की है। वे उम्मीद कर रहे हैं कि कंपनी इसी राह पर अगले तिमाहियों में भी अच्छे परिणाम प्रदर्शित करेगी।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.43 पर बंद हुआ। पाकिस्तान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 30 पैसे टूटकर 85.88 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच भू-राजनीतिक तनाव के कारण निवेशक सतर्क हो गए हैं जिससे रुपये में कमजोरी आई। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर की बढ़ती मांग ने निवेशकों की भावनाओं को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.88 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.58 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 100.65 पर रहा।

चीन का निर्यात अप्रैल में 8.1 प्रतिशत बढ़ा

बीजिंग। चीन के निर्यात में अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 8.1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है, जो अर्थशास्त्रियों की अपेक्षा से कहीं अधिक है। चीन के उत्पादों पर अमेरिका के उच्च शुल्क के चलते, कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच सामान बेचने की होड़ इसी का एक मुख्य कारण बना। अप्रैल में चीन के इनके प्रमुख व्यापार क्षेत्रों में दर कम रही, सालाना मात्रा में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई। चीन के साथ अमेरिका का राजनीतिक रूप से संवेदनशील व्यापार अप्रैल में करीब 20.5 अरब डॉलर था। इसके बावजूद अमेरिका से चीन का व्यापार वर्ष के पहले चार महीनों में सालाना आधार पर 2.5 प्रतिशत कम रहा, जबकि अमेरिका से चीन में आयात 4.7 प्रतिशत की गिरावट आई।

ड्रोन कंपनियों के शेयर में तेजी, भाव में 15 प्रतिशत तक की उछाल

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान ड्रोन कंपनियों के शेयर में भाव में बड़ी तेजी देखने को मिल रही है। इसमें आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी का नाम भी शामिल है, जिसके शेयरों में 15 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी ने कंपनी के शेयरों में 15 प्रतिशत की तेजी देखी। कंपनी के नेट लॉस में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि पिछले वर्ष के मुकाबले रेवन्यू में कमी आई है। जेन टेक्नोलॉजीज के शेयरों में भी तेजी देखी गई है। कंपनी एंट्री-ड्रोन सिस्टम बनाती है और इस समय फोकस में है। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली है। कंपनी का एक सब्सडियरी एंटी-ड्रोन सिस्टम बनाती है, जो भी व्यापक रूप से उजागर है। हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड दो सब्सडियरी के साथ काम कर रही है, जो एडवांस ड्रोन सिस्टम का उत्पादन कर रही हैं। इसके शेयरों में भी उछाल दर्ज की गई है। इन कंपनियों के उछलते शेयर को देखते हुए मालामाल बनाने वाले निवेशकों के लिए यह खुशखबरी हो सकती है। बाजार में ड्रोन कंपनियों के शेयरों में ऐसी तेजी के पीछे ड्रोनों के नए उपयोग भी हो सकते हैं।

'प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना' के 10 वर्ष, गरीबों और वंचितों के लिए भी सुलभ बना जीवन बीमा

नई दिल्ली।

कम आय वाले समूहों को किफायती जीवन बीमा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) को 9 मई 2015 को लॉन्च किया गया था। इसके 10 वर्ष पूरे होने के साथ योजना की सफलता 23 करोड़ से ज्यादा नामांकन और 9 लाख परिवारों को दावे प्राप्त होने के साथ दर्ज की गई है। पीएमजेजेबीवाई, सरकारी जीवन बीमा योजना है, जो कि एक वर्ष की कवर टर्म के साथ आती है। इस योजना को हर साल रिन्यू करवाया जा सकता है। इस योजना के तहत किसी भी कारण मृत्यु होने पर लाभार्थी को जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाता है। योजना मृत्यु के सभी कारणों को कवर करती है। यदि लाभार्थी की मृत्यु प्राकृतिक, आकस्मिक और आपदाओं या महामारी के दौरान होती है तो बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। जीवन बीमा को गरीबों और वंचितों तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस योजना को सरलता और गरिमा के साथ डिजाइन किया गया है। योजना के तहत केवल 436 रुपए के वार्षिक प्रीमियम पर 2 लाख रुपए के कवर की सुविधा मिलती है। 18-50 वर्ष की आयु वर्ग के लोग बचत खाते के साथ इस योजना का लाभ ले सकते हैं। सरकार की इस बीमा योजना में 55 वर्ष की आयु तक कवरेज दिया जाता है। योजना के तहत बिना किसी मेडिकल जांच के आसान नामांकन की सुविधा बैंकों, डाकघरों या ऑनलाइन उपलब्ध है। पीएमजेजेबीवाई की सार्वभौमिक पहुंच यानी योजना का सभी पात्र खाताधारकों के लिए उपलब्ध होना, इसकी विशेषता है। इस योजना का लाभ एनआरआई भी ले सकते हैं।

इस योजना की घोषणा 2015 के केंद्रीय बजट में की गई थी। उस दौरान 20 प्रतिशत आबादी के पास कोई बीमा कवरेज न होने की वजह से इस योजना को लाए जाने की जरूरत समझी गई थी। पीएमजेजेबीवाई का उद्देश्य देश भर में जीवन बीमा तक पहुंच बढ़ाना है। पीएमजेजेबीवाई के मुख्य लाभार्थियों में 74 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों से हैं और 53 प्रतिशत महिलाएं हैं।

ब्रिटानिया की चौथी तिमाही में लाभ में बढ़कर 559.13 करोड़ हुआ

कंपनी का राजस्व नौ प्रतिशत बढ़कर 4,375.57.30 करोड़ हो गया

नई दिल्ली। बिस्कुट, ब्रेड जैसे बेकरी खाद्य पदार्थ बनाने वाली कंपनी ब्रिटानिया ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में मुनाफे में 4.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जिससे मुनाफा 559.13 करोड़ रुपये रहा। यह रिपोर्ट कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में दी है। जनवरी-मार्च तिमाही में उत्पाद बिक्री से ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज का राजस्व नौ प्रतिशत बढ़कर 4,375.57.30 करोड़ रुपये हो गया। समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 8.9 प्रतिशत बढ़कर 4,432.19 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के चैयरमेन ने बताया कि चुनौतीपूर्ण परिचालन माहौल में तंग उपभोग परिदृश्य के बीच हमारे लचीलेपन को रेखांकित करता है। कुल व्यय 10.34 प्रतिशत बढ़कर 3,738.63 करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल आय 8.9 प्रतिशत बढ़कर 4,495.21 करोड़ रुपये हो गई। समूचे वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ दो प्रतिशत बढ़कर 2,177.86 करोड़ रुपये हो गया। इसके साथ ही निदेशक मंडल ने एक रुपये अंकित मूल्य के प्रत्येक शेयर पर 31 मार्च 2025 को 75 रुपये का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है।

अडानी को 2.85 और अंबानी को 1.15 अरब डॉलर का नुकसान

अरबपतियों में रुतबा भी घटा

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ रहे तनाव ने अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और रिलायंस ग्रुप के मालिक मुकेश अंबानी को तगड़ी चोट पहुंचाई है। अडानी को 2.85 अरब डॉलर और अंबानी को 1.15 अरब डॉलर का झटका लगा है। घरेलू शेयर मार्केट में तगड़ी बिकवाली के कारण सेंसेक्स में 412 अंक की गिरावट आई, जबकि निफ्टी 140 अंक फिसल गया। इससे अडानी और अंबानी के नेटवर्थ में कमी आई है। अडानी अब ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में 21वें पोजीशन पर हैं जबकि अंबानी 17वें स्थान पर काबिज हैं। दुनिया के टॉप-10 अरबपतियों में अमेरिकी धारावाहिकता बनी रही है, जबकि अमेरिकी अरबपतियों की दौलत में भारी गिरावट हुई है। एलन मस्क के पास दुनिया की सबसे अधिक संपत्ति है जबकि अमेरिकी अरबपतियों ने इस साल भी दौलत गंवाई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के टॉप-10 अरबपतियों में अमेरिकियों का दबदबा है। इसमें शामिल एक मात्र गैरअमेरिकी फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट का रुतबा भी तेजी से घटा है। अब अर्नाल्ट 8वें पोजीशन पर हैं। कभी दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति रहे अर्नाल्ट की दौलत 152 अरब डॉलर रह गई है। दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति के रूप में एलन मस्क के पास 335 अरब डॉलर की संपत्ति है। इनके बाद जेफ बेजोस (214 अरब डॉलर), मार्क जुकरबर्ग (211 अरब डॉलर), लैरी एलिसन (173 अरब डॉलर), बिल गेट्स (168 अरब डॉलर) का नंबर आता है। इस साल दौलत गंवाने के मामले में भी अमेरिकी ही अव्वल हैं। ट्रंप के टैरिफ नीति के बाद सबसे अधिक चोट अमेरिकी अरबपतियों को ही लगी है। एलन मस्क इस साल अबतक 97.8 अरब डॉलर गंवा चुके हें। लैरी पेज को 27.2 अरब डॉलर की चोट पहुंची है। सर्गी ब्रिन 25.3 अर डॉलर गंवा चुके हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 880 , निफ्टी 266 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पाकिस्तान के साथ जारी संघर्ष तेज होने से भी बाजार पर दबाव पड़ा जिससे विदेशी निवेशक सावधानी बरत रहे हैं। आज कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में ही गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स में करीब 880 अंकों की गिरावट के साथ ही 79,454 के स्तर पर बंद हुआ है जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 266 अंक नीचे आकर 24,008 के लेवल पर बंद हुआ है। आज सेंसेक्स 30 के 5 शेयर बढ़त पर बंद हुए जबकि 25 में गिरावट रही। इंडेक्स की बात करें तो आज निफ्टी पर बैंक, आईटी, एफएमसीजी, फार्मा, फाइनेंशियल, आटो, मेटल और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट पर बंद हुए। आज के सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में टाइटन, एलएंडटी, टाटा मोटर्स , एसबीआई शामिल रहे. जबकि नुकसान वाले शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, उल्ट्रासीमेको, बजाजफाइनेंस, रिलायंस शामिल हैं। इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

आज के कारोबार में प्रमुख एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख देखने में आया। इसके पहले गुरूवार को अमेरिकी बाजार बढ़त पर बंद हुए थे। गुरूवार को डाओ जोंस में 254 अंकों की तेजी रही और यह 41,368.45 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं नेडसेक में 190 अंकों की बढ़त रही और यह 17,928.14 के स्तर पर बंद

हुआ जबकि एसएंडपी 500 इंडेक्स करीब 33 अंक बढ़कर 5,663.94 के लेवल पर बंद हुआ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बड़ी गिरावट पर खुले। प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स निफ्टी-50 आज 24 हजार जबकि बीएसई सेंसेक्स 79 हजार के नीचे खुला। बाजार में जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान के साथ ताजा घटनाक्रमों से बाजार पर प्रभाव पड़ा है। सेंसेक्स शुक्रवार को बड़ी 1300 अंक से अधिक की गिरावट लेकर 78,968.34 पर खुला। हालांकि, कारोबार शुरू होते ही इंडेक्स में रिकवरी देखने को मिली। सुबह शुरुआत के बाद यह 378.60 अंक की गिरावट लेकर 79,956.21 पर था। इसी तरह निफ्टी- भी बड़ी गिरावट के साथ 23,935.75 अंक पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 204.05 अंक की गिरावट के सतह 24,069.75 पर कारोबार कर रहा था।

भारतीय उद्यमों को पूरी क्षमता पेश करने में मददगार होगा इनोवेशन-लेड इकोसिस्टमः एसोचैम

नई दिल्ली।

एसोचैम के शुक्रवार को जारी एक पत्र के अनुसार, भारतीय उद्यमों की पूरी क्षमता को पेश करने के लिए एक सुसंगत, इनोवेशन-लेड इकोसिस्टम की जरूरत है, जो प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा दे और अनुपालन बोझ कम करे।

भारत के इकोनॉमिक आर्किटेक्चर में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका और उन्हें फलने-फूलने में मदद करने के लिए केंद्र और राज्यों के बीच समन्वित प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, शीर्ष उद्योग निकाय ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इन द इंडियन स्टेट्स' शीर्षक से एक नॉलेज पेपर जारी किया है। यह पेपर परिचालन चुनौतियों को संबोधित करने और दुनियाभर से सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल करने की जरूरतों को पहचानता है। नॉलेज पेपर में एक प्रमुख सिफारिश बिल्डिंग और कंस्ट्रक्शन के अप्रूवल प्रॉसेस, लेबर एंड फैकल्टी अप्रूवल्स और फायर अप्रूवल्स में थर्ड पार्टी के निजी पेशेवरों की भूमिका पर जोर देती है।

प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' और आयात-निर्यात विनियमों को युक्तिसंगत बनाने के लिए विशिष्ट सिफारिशों पर भी प्रकाश डाला गया है। एसोचैम के महासचिव मनीष सिंघल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए केंद्र सरकार में नीति निर्माण को राज्यों में क्रियान्वयन के साथ पूरक बनाने की जरूरत है। राज्यों के हितधारकों के साथ गहन परामर्श, नीति ढांचे की समीक्षा और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में मुद्दों के विश्लेषण ने इस नॉलेज पेपर के लिए आधार तैयार किया। उन्होंने कहा कि पेपर में राज्य-विशिष्ट मुद्दों को समझाया गया है और ऐसे विशिष्ट हस्तक्षेपों की मांग की गई है, जो प्रत्येक क्षेत्र के शासन मॉडल और आर्थिक स्थितियों को दर्शाते हों। कुछ राज्य बदल रहे हैं और स्मार्ट सुधारों के साथ दूसरों को रास्ता दिखा रहे हैं। पेपर के अनुसार, गुजरात ने 2030 तक 100 प्रतिशत ट्रीटेड वेस्ट वॉटर को रिसाइकल करने की योजना बनाई है, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी को पूरा करने वाले व्यवसाय विकास का एक आदर्श उदाहरण है।महाराष्ट्र फूड और ड्रग मैन्युफैक्चरर्स के लिए पांच साल के लाइसेंस की पेशकश कर उनके जीवन को आसान बना रहा है।

पश्चिम बंगाल बंदरगाहों के पास बड़े कंटेनर ट्रकों की अनुमति देकर लॉजिस्टिक्स लागत में कटौती कर रहा है। झारखंड स्टार्टअप को कोलेटरल फ्री लोन प्राप्त करने और सरकार को माल की आपूर्ति करने में सहायता कर रहा है। एसोचैम ने टेक्निकल इनपुट और कन्वर्जेंस फाउंडेशन के एनालिटिक्स गाइडेंस से तैयार 52-पेज के नॉलेज पेपर में कहा, इस रिपोर्ट में ऐसे कई और बेहतरीन अभ्यासों का उल्लेख किया गया है, जो दूसरों के लिए मॉडल के रूप में काम करते हैं। इसमें प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है।

भारत और ब्रिटेन के बीच चिकित्सा उपकरणों पर व्यापार के लिए समझौता

नई दिल्ली।

ब्रिटेन के साथ अपने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत, भारत ने चिकित्सा उपकरणों पर आयात शुल्क केवल छठे वर्ष से कम करने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को बढाना है। इस समझौते के बाद भारत ने पीएलआई प्रोत्साहन योजना की घोषणा की है, जिसमें चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए नई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसके तहत, भीतर लीनियर एक्सेलेरेटर, सीटी-स्कैन, उल्ट्रासाउंड मशीन जैसे उच्च-स्तरीय चिकित्सा उपकरणों का उत्पादन आरंभ किया गया है। यह समझौता भारत और ब्रिटेन के बीच चिकित्सा उपकरणों का व्यापार और सहयोग को मजबूती देगा। चिकित्सा उपकरणों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत, 19 नई परियोजनाएं चालू की गई हैं और 44 उत्पादों का उत्पादन शुरू हो गया है, जिनमें उच्च-स्तरीय चिकित्सा उपकरण जैसे कि लीनियर एक्सेलेरेटर, एमआरआई मशीन, सीटी-स्कैन, मैमोग्राम, सी-आर्म्स, अल्ट्रासाउंड मशीन आदि शामिल हैं। देश में इन्हें पहले आयात किया जाता था। समझौते के तहत भारत, ब्रिटेन के 90 प्रतिशत आयात पर शुल्क कम करेगा, तथा इनमें से 85 प्रतिशत शुल्क लाइनें या उत्पाद श्रेणियां 10 वर्षों के भीतर शुल्क मुक्त हो जाएंगी।

नया स्मार्टफोन वनप्लस नॉर्ड सीई 5 जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

नया स्मार्टफोन वनप्लस नॉर्ड सीई 5 जल्द लॉन्च होगा, वनप्लस अपनी नॉर्ड सीरीज की तैयारी कर रही है। हाल ही में इस डिवाइस को टीडीआरए और बीआईएस सर्टिफिकेशन वेबसाइट्स पर देखा गया है, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने के संकेत मिलते हैं।

बीआईएस सर्टिफिकेशन के मुताबिक फोन का मॉडल नंबर सीपीएच2717 है। पहले इसे मई में लॉन्च किए जाने की चर्चा थी, लेकिन ताजा जानकारी के अनुसार अब यह फोन जून में बाजार में आ सकता है। वनप्लस नॉर्ड सीई 5 को लेकर टिपस्टर देबायन रॉय ने कई अहम जानकारियां साझा की हैं। उनके मुताबिक यह फोन फुल एचडीप्लस ओलेड डिस्प्ले के साथ आएगा, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। फोन में मीडियाटेक डायमेंसिटी 8350 प्रोसेसर दिया जा सकता है, जो इसके प्रदर्शन को बेहतर बनाएगा।

इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी 7100एमएएच की बैटरी हो सकती है, जो 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। फोन को कंपनी 8जीबी रैम और 256जीबी इंटरनल स्टोरेज वेरिएंट में ला सकती है। सिक्योरिटी के लिए इसमें इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर होगा, जबकि कनेक्टिविटी के लिहाज से यह हाइब्रिड सिम

स्लॉट, ढ्रक ब्लास्टर और सिंगल स्पीकर सेटअप के साथ आ सकता है।

वनप्लस नोर्ड सीई 5 मिड-रेंज यूजर्स के लिए एक पावरफुल और फीचर-पैक विकल्प बन सकता है। कैमरा सेटअप की बात करें तो इस फोन में सोनी लिटिया 600 सेंसर वाला मुख्य कैमरा मिल सकता है, वहीं अल्ट्रावाइड शॉट्स के लिए 8 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स355 सेंसर दिया जा सकता है। सेल्फी के लिए इसमें 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलने की उम्मीद है।

भारत में बेनेली ने लॉन्च की नई 2025 टीआरके बाइक सीरीज

नई दिल्ली।

भारत में बेनेली ने अपनी नई 2025 टीआरके सीरीज, टीआरके 502 और टीआरके 502एक्स को लॉन्च किया है। हालांकि, इनकी कीमत में पहले के मुकाबले 35,000 रुपये तक का इजाफा हुआ है। अब टीआरके 502की कीमत 6.20 लाख रुपये और टीआरके 502एक्स की कीमत 6.70 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इसके अलावा, टीआरके 502 एक्स का नया यलो कलर वेरिएंट 6.85 लाख रुपये का है। इस नई सीरीज में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं।

इन बाइक्स में नए फीचर्स और तकनीक को जोड़ा गया है, जिससे ये ऑफ-रोड और लॉन्ग ड्राइव के शौकिनों के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकती हैं। बाइक्स में अब हीटेड सीट्स और हैंडल ग्रिप्स दिए गए हैं, जो सर्दियों में राइडिंग को और भी आरामदायक बना देंगे। इसके अलावा, पुराने एलसीडी डिस्प्ले को हटा कर अब 5-इंच की फुल-कलर टीएफटी स्क्रीन दी गई है, जो ब्लूटूथ और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन को सपोर्ट करती है।

राइडर को टायर प्रेशर की जानकारी अब सीधे स्क्रीन पर मिलती रहेगी, जो सफर को सुरक्षित बनाता है। इंजन के मामले में दोनों बाइक्स में 500सीसी का पार्लेल-ट्विन लिक्विड-कूल्ड इंजन है, जो 46.9 बीएचपी की पावर और 46 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसके साथ ही 20 लीटर का फ्यूल टैंक भी दिया गया है।

दोनों बाइक्स में सस्पेंशन के लिए अपसाइड-डाउन फ्रंट फोर्क और रियर मोनोशॉक सस्पेंशन का इस्तेमाल किया गया है, जो राइडिंग को आरामदायक बनाता है। इसके साथ ही डुअल चैनल एबीएस के साथ ब्रेकिंग सिस्टम भी है।

स्मार्टफोन वीवो एक्स200 एफई जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी वीवो जल्द ही अपना नया प्रीमियम स्मार्टफोन वीवो एक्स200 एफई लॉन्च कर सकता है। हालांकि कंपनी ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन लीक रिपोर्ट्स में इसके स्पेसिफिकेशन और संभावित कीमत सामने आ चुकी है। यह एक कॉम्पैक्ट फ्लैगशिप फोन होगा, जिसकी लॉन्चिंग जुलाई में होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह स्मार्टफोन दो वेरिएंट - 12जीबी रैम प्लस 256जीबी स्टोरेज और 16जीबी रैम प्लस 512जीबी स्टोरेज में आ सकता है। इसकी कीमत 50 हजार से 60 हजार रुपये के बीच हो सकती है। फोन में 6.1 इंच का एलटीपीओ ओलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो 1.5के रेजॉलूशन और 120एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। परफॉर्मेंस के लिए वीवो एक्स200 एफई में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9300 प्लस या नया डाइमेंसिटी 9400ई प्रोसेसर दिया जा सकता है। पावर के लिए फोन में 6500 एमएएच की बैटरी हो सकती है, जो 90वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। इसके बावजूद फोन का वजन केवल 200 ग्राम रहने की बात कही गई है। फोन एंड्राएड 15 बेस्ड फनटच ओएस 15 पर चलेगा और कंपनी इसमें तीन साल के ओएस अपडेट और चार साल की सिक्योरिटी अपडेट्स देगी। उम्मीद की जा रही है कि कंपनी जल्द ही इस फोन को टीज करना शुरू करेगी। फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए यह फोन झेस ब्रांडेड ट्रिपल कैमरा सेटअप के साथ आएगा। इसमें 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस और 50 मेगापिक्सल का टेलिफोटो कैमरा मिल सकता है। फ्रंट में भी 50 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा देखने को मिल सकता है।

निसान मोटर इंडिया फिर बड़ी दस्तक देने को तैयार

नई दिल्ली।

निसान मोटर इंडिया एक बार फिर भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में बड़ी दस्तक देने की तैयारी कर रही है। निसान कंपनी जल्द ही दो नई कारों से पर्दा उठाने जा रही है। इन कारों में एक दमदार 5-सीटर एसयूवी और दूसरी एक फैमिली फ्रेंडली 7-सीटर एमपीवी शामिल है।

इन दोनों मॉडलों की पहली झलक मार्च 2025 में दिखाई गई थी और अब हाल ही में कंपनी ने इनका एक नया टीज़र भी जारी किया है। निसान की नई एसयूवी रेनो डस्टर के प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, लेकिन इसमें डिजाइन और तकनीक पूरी तरह निसान की होगी। इसका डिजाइन निसान पेट्रोल जैसी बोल्ड और दमदार अप्रोच से प्रेरित होगा। इसमें ऊंचा ग्राउंड क्लीयरेंस और बेहतर अप्रोच व डिपार्चर एंगल दिए जाएंगे, जिससे यह भारतीय सड़कों के लिए परफेक्ट मानी जा रही है।

मजबूत बिल्ड क्वालिटी और मॉडर्न फीचर्स से लैस यह एसयूवी सीधे तौर पर हुंडई क्रेटा, ग्रैंड विटारा और स्कोडा कुशाक जैसी कारों को टक्कर देगी। इसकी लॉन्चिंग 2026 की शुरुआत में संभावित है।

वहीं, दूसरी ओर निसान की 7-सीटर एमपीवी, रेनो ट्राइबर के प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, लेकिन इसका डिजाइन पूरी तरह निसान स्टाइल में होगा।

यह एक बी-सेंगमेंट एमपीवी होगी, जो फैमिली को ध्यान में रखते हुए तैयार की जा रही है। इसमें सभी सीटों पर आरामदायक लेगरूम, स्मार्ट इंटीरियर लेआउट और बेहतरीन ड्राइविंग एक्सपीरियंस मिलेगा। इसकी लॉन्चिंग 2025 के भीतर ही हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एक हफ्ते के लिए ही आईपीएल स्थगित, जल्द आयेगा नया शेड्यूल: राजीव शुक्ला

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टूर्नोमेंट अनिश्चित काल के लिए स्थगित नहीं हुआ है। केवल एक सप्ताह के लिए ही स्थगित किया गया है। शुक्ला ने कहा है कि नये शेड्यूल की घोषणा शीघ्र ही होगी। वहीं इससे पहले कहा गया था कि आईपील मुकाबले अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिये गये हैं जिसपर अब बोर्ड की ओर से जवाब आया है। गत दिवस गुरुवार को दिल्ली और पंजाब मैच बीच में ही रद्द करने के बाद से ही टूर्नोमेंट के आगे आयोजन पर भी संशय जताया जा रहा था। आईपीएल का ये 18 वां सत्र अपने अंतिम पड़वा पर था और फाइनल के साथ ही केवल 16 मैच बचे थे। इसमें लीग चरण के 12 मैच शामिल थे। ये पहली बार नहीं हुआ है कि जब आईपीएल का कोई सत्र बीच में ही स्थगित हुआ है था। इससे पहले 2021 में कोरोना महामारी के कारण सत्र रोका गया था।

बीसीसीआई ने शुक्रवार को आईपीएल को स्थगित करने की घोष्णा की। आईपीएल को स्थगित करने का फैसला पाकिस्तान के साथ तनाव और युद्ध के हालात को देखते हुए लिया गया है। इसी कारण गुरुवार को धर्मशाला में चल रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के मैच को बीच में ही रोक दिया गया था। बाद में मैच को रद्द कर दिया गया और सभी खिलाड़ियों, सहायेगी स्टाफ और दर्शकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। तभी से आईपीएल के मौजूदा सीजन पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे थे।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि सभी स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद टूर्नामेंट के लिए जल्द ही नया शेड्यूल घोषित होगा। हमें भारतीय सेना पर गर्व है। बीसीसीआई अपने सुरक्षा बलों और सरकार के साथ खड़ी है।'

एक दिन पहले जब धर्मशाला में आईपीएल मैच चल रहा था, उसी वक्त पाकिस्तान ने देश के कई शहरों में मिसाइलों और ड्रोन से हमले किये थे हालांकि भारतीय रक्षा प्रणाली ने उन सभी को धवस्त कर दिया था। पाक के सभी ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया गया था।

यशस्वी जायसवाल का यू-टर्न, पत्र लिखकर फिर से मुंबई के लिए खेलने की अनुमति मांगी

मुंबई (एजेंसी)। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (MCA) से अनुरोध किया है कि उन्हें घरेलू दिग्गजों के साथ बने रहने की अनुमति दी जाए। उनका यह फैसला गोवा में जाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) मांगने के एक महीने बाद आया है।

अप्रैल में जायसवाल ने गोवा में जाने के लिए एमसीए को पत्र लिखकर सभी को चौंका दिया था। अपनी ओर से स्र्ष्ट ने भी जायसवाल के अनुरोध को तुरंत मंजूरी दे दी थी। जायसवाल द्वारा स्र्ष्ट को लिखा गया ईमेल है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह अगले घरेलू सत्र में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपलब्ध हैं। जायसवाल ने लिखा, 'मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे दिए गए NOC को वापस लेने के मेरे अनुरोध पर विचार करें क्योंकि गोवा में जाने की मेरी कुछ पारिवारिक योजनाएं थीं, जिन्हें फिलहाल रोक दिया गया है!'

उन्होंने कहा, 'इसलिए मैं ईमानदारी से MCA से अनुरोध करता हूं कि मुझे इस सत्र में मुंबई के लिए खेलने की अनुमति दी जाए! मैंने बीसीसीआई या गोवा क्रिकेट एसोसिएशन को NOC नहीं सौंपी है!!' जायसवाल उत्तर प्रदेश के भदोही से मुंबई चले गए और पिछले कुछ वर्षों में भारत के लिए सभी प्रारूपों में पदार्पण करने के लिए रैंक के माध्यम से आगे बढ़े, ऐसा भी माना जाता था कि कप्तान बनने की संभावना के कारण वे मुंबई से गोवा चले गए थे। व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर ने शायद 23 वर्षीय जायसवाल को गोवा के साथ बिताने के लिए बहुत समय नहीं दिया होगा, लेकिन उनका कप्तान बनने से उन्हें प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं में कुछ अनुभव प्राप्त होगा। गोवा क्रिकेट संघ के सचिव शंबा देसाई ने पहले पुष्टि की थी कि जायसवाल उनके कप्तान होंगे और गोवा टीम को 2025-26 सीजन से पहले प्लेट डिवीजन से एलीट में अपग्रेड किया जाएगा।

आईपीएल के बाद टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र समाप्त होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। इस सीरीज से 2025-26 सत्र के लिए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र की शुरुआत होगी। ऐसे में ये सीरीज दोनो ही टीमों के लिए अहम रहेगी। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास की घोषणा किये जाने के कारण इस सीरीज के लिए नये भारतीय कप्तान की घोषणा अभी होनी है। इस सीरीज के लिए टीम की घोषणा इसी माह के अंत तक होने की संभावनएं हैं। टीम में श्रेयस अय्यर के अलावा आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे साई सुदर्शन को भी अवसर मिलने की संभावनाएं हैं।

भारतीय टीम को इससे पहले न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में भारतीय टीम इस सीरीज में जीत के साथ ही एक बार फिर लय हासिल करना चाहेगी।

संभावित टीमः जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी, आकाश दीप, मुकेश कुमार

सीरीज का कार्यक्रम

भारत बनाम इंग्लैंड दूसरा टेस्टः 02 से 6 जुलाई

भारत बनाम इंग्लैंड तीसरा टेस्टः 10 से 14 जुलाई

भारत बनाम इंग्लैंड चौथा टेस्टः 23 से 27 जुलाई

भारत बनाम इंग्लैंड पांचवां टेस्टः 31 जुलाई से 4 अगस्त

भारत और श्रीलंका के बीच होगा ट्राई सीरीज फाइनल, तारीख आई सामने

कोलंबो (एजेंसी)। एनेरी डेरक्सन के पहले वनडे शतक और क्लोई ट्रायन के हरफनमौला प्रदर्शन (74 और 5-34, जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल है) की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को यहां आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान श्रीलंका को 76 रन से हराकर महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज से अपना विदाई मैच जीत लिया।

श्रीलंका द्वारा पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर दक्षिण अफ्रीका की टीम एक समय 29 ओवर में 127/6 रन ही बना पाई थी तभी एनेरी ने 84 गेंदों पर 9 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 104 रनों की शानदार पारी खेली और मैच का रुख दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में मोड़ दिया। क्लो ने 51 गेंदों पर 74 रन बनाए, जिसमें चार चौके और पांच छक्के शामिल थे। बाद में

नादिन डी क्लार्क ने 19 गेंदों पर तेजी से 32 रन बनाए, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका 50 ओवरों में 315/9 के विशाल स्कोर पर पहुंच गया। श्रीलंका के लिए, ऑफ स्पिनर देवमी विहंगा उनके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे, जिन्होंने नौ ओवरों में करियर का सर्वश्रेष्ठ 5-43 रन बनाए। कप्तान चमारी अथापथु ने दो विकेट चटकाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत से ही जीत की उम्मीद नहीं थी। सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा और विशमी गुणरत्ने ने पहले विकेट के लिए 52 रन जोड़े, लेकिन क्लो ने उन्हें आउट कर दिया। चमारी और हर्षिता समाविक्रमा ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी की, जिसके बाद हर्षिता शेषनी नायडू की पहली वनडे विकेट बनीं। हालांकि चमारी ने अपना 17वां वनडे अर्धशतक लगाया, लेकिन अयाबोंगा खाका द्वारा आउट होने के बाद खेल लगभग दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में हो गया, जिसका अंत क्लो ने हैट्रिक लेकर किया और वनडे में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। आखिरकार, श्रीलंका की टीम 42.5 ओवर में 239 रन पर आउट हो गई और हार के बावजूद, वे रविवार को उसी स्थान पर त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में भारत से भिड़ेंगे।

भारतीय टीम के एशिया कप में भाग लेने की संभावना नहीं

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के इस साल अगस्त में बांग्लादेश और सितंबर में एशिया कप में भाग लेने की संभावना नहीं है। माना जा रहा है कि बीसीसीआई इस समय में आईपीएल के बचे हुए मैचों को पूरा कर सकता है। बीसीसीआई अभी एक ऐसी विंडो पर काम कर रहा है, जिससे वे आईपीएल 2025 के शेष 17 मैचों का आयोजन कर सकें, जिसमें दो क्वालीफायर, एक एलिमिनेटर और फाइनल शामिल हैं। वहीं भारत को जून के पहले सप्ताह में पांच मैचों के टेस्ट दौरे के लिए इंग्लैंड जाना है। ऐसे में बीसीसीआई के लिए अगस्त-सितंबर का समय टूर्नामेंट को पूरा करने का एकमात्र अवसर हो सकता है। भले ही आईपीएल भारत के बांग्लादेश दौरे और एशिया कप से पहले पूरा हो जाए, लेकिन यह पूरी तरह से संभव नहीं है। धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच के बाद बोर्ड अब यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ सदस्य सुरक्षित रहें और किसी तरह से परेशान न हों। पाकिस्तान के साथ जारी संघर्ष के कारण लग अब एक सप्ताह के लिए स्थागत कर दी गयी है।

आईपीएल 2025 निलंबित : टिकट खरीदने वालों को राहत, जल्द वापस मिलेंगे पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 को एक सप्ताह के लिए निलंबित करने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स ने पुष्टि की है कि वे कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने-अपने घरेलू मैचों के लिए टिकट वापसी की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। भारत पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए बीसीसीआई ने आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है।

सातवें स्थान पर काबिज स्र्त्र को शुक्रवार शाम को लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले मैच में दूसरे स्थान पर काबिज RCB की मेजबानी करनी थी जबकि आठवें स्थान पर काबिज SRH को शनिवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में छठे स्थान पर काबिज KKR की मेजबानी करनी थी। लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पार तनाव के कारण टूर्नामेंट के सात दिनों के निलंबन के कारण दोनों मुकाबले तय समय पर नहीं होंगे।

SRH ने अपने 'X' अकाउंट पर लिखा, 'मौजूदा स्थिति को देखते हुए IPL2025 को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। टिकट वापसी की जानकारी जल्द ही दी जाएगी।' दूसरी ओर LSG ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'आज रात इकाना क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला मैच रद्द कर दिया गया है। टिकट वापसी के बारे में विवरण बाद में दिया जाएगा।'

गुरुवार रात को सीमा पार तनाव बढ़ने के बाद IPL 2025 को एक सप्ताह के लिए रोकने का फैसला किया गया जिसके कारण जम्मू, उधमपुर और पठानकोट में ब्लैकआउट हो गया क्योंकि पाकिस्तान की तरफ से हवाई और ड्रोन हमले किए गए। हालांकि भारत ने इसका जवाब दिया और सभी हवाई हमलों को निष्क्रिय कर दिया। इसके कारण पठानकोट से लगभग 80 किलोमीटर दूर धर्मशाला के HPCA स्टेडियम में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच को पहली पारी के सिर्फ 10.1 ओवर पूरे होने के बाद रद्द कर दिया गया।

पंजाब किंग्स में आने से बेहतर हुआ : अर्शदीप

नई दिल्ली । बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आईपीएल के इस सत्र में पंजाब की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। अर्शदीप ने कहा है कि इस टीम में आने के बाद से ही उनमें काफी बदलाव आया है जिसके कारण ही वह पहले से बेहतर खिलाड़ी बन सके हैं। अर्शदीप ने कहा कि फ्रेंचाइजी में एक साल होने के बाद से ही उन्हें अहम भूमिका भी मिलने लगीं जिससे वह अधिक जिम्मेदारी से अपना काम कर पाते हैं। वह साल 2019 से ही पंजाब किंग्स से खेल रहे हैं। अर्शदीप ने कहा, जब से मैं पंजाब किंग्स में आया हूं, पहले साल को छोड़कर, मुझे अपनी भूमिका में वरिष्ठता महसूस होने लगी है। मैं पिछले सात सालों से इस टीम से जुड़ा हुआ हूं और टीम के साथ अपना पहला साल बिताने के बाद मुझे लगने लगा कि मुझे टीम में बहुत बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इससे मुझे एक खिलाड़ी और बेहतर इंसान के रूप में विकसित होने में भी सहायता मिली। अर्शदीप का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन आईपीएल सीजन 2021 में आया जब उन्होंने 12 मैचों में 18 विकेट लिए। वहीं उन्होंने 2022 में 10 विकेट लिए थे। अर्शदीप ने कहा कि इस लीग में खेलने से उन्हें पता चला कि अधिक दबाव वाले मैचों में किस प्रकार से खेला जाता है। इसके साथ ही उनका रुख भी खेल को लेकर गंभीर को गया क्योंकि कठिन हालातों में अगर रुख गंभीर नहीं होगा तो उसका नुकसान टीम को हो सकता है।

पीसीबी की योजना पर फिर सकता है पानी, पीएसएल मैचों की मेजबानी का अनुरोध खारिज कर सकता है यूएई

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग के बाकी मैच संयुक्त अरब अमीरात में कराने की PCB की योजना धरी रह सकती है क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव को देखते हुए अमीरात क्रिकेट बोर्ड द्वारा इसे मंजूर करने की संभावना कम ही है।

अमीरात क्रिकेट बोर्ड के सूत्रों ने संकेत दिया है कि बोर्ड पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के ऐसे किसी भी अनुरोध को खारिज कर सकता है। पीसीबी पहले ही ऐलान कर चुका है कि PSK UAE में होगा। सूत्र ने इसके लिए सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। समझा जाता है कि हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर अमीरात क्रिकेट बोर्ड यह संकेत नहीं देना चाहता कि वह पीसीबी का मददगार है और पीएसएल की मेजबानी से ऐसा ही संकेत जाएगा।

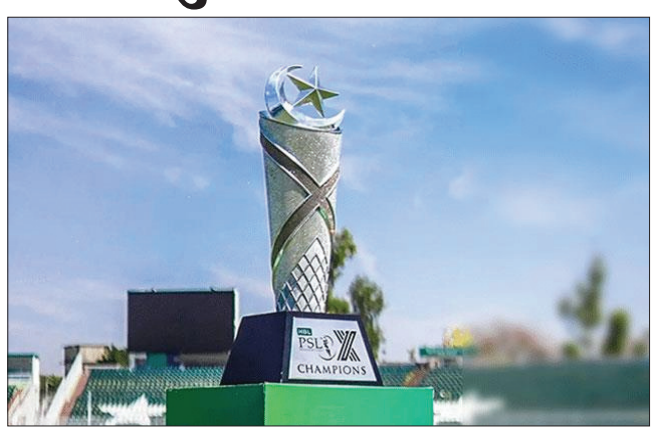

सूत्र ने कहा, 'अमीरात क्रिकेट बोर्ड के हाल ही के कुछ वर्षों में BCCI से मजबूत रिश्ते रहे हैं। इसने टी20 विश्व कप 2021 और चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान भारत के मैचों के अलावा आईपीएल की भी मेजबानी की है।' दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का मुख्यालय भी है जिसके अध्यक्ष बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। सूत्र ने कहा, 'यूएई में काफी तादाद में दक्षिण एशियाई हैं जिन्हें क्रिकेट काफी पसंद है। इतने तनाव के बीच PSL की मेजबानी करने से समरसता बिगड़ सकती है, सुरक्षा को लेकर खतरा हो सकता है और दोनों समुदायों के बीच अनावश्यक तनाव हो सकता है।'

पीसीबी ने सुबह ही कहा था कि PSL के बाकी 8 मैच यूएई में होंगे जो रावलपिंडी, मुल्तान और लाहौर में होने थे। पहलगाम में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले की जवाबी कार्रवाई में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे जिनमें अधिकांश पर्यटक थे।

प्रभसिमरन ने हासिल की अहम उपलब्धि

चंडीगढ़ । पंजाब किंग्स के युवा सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह का प्रदर्शन आईपीएल के इस 18 वें सत्र में काफी अच्छा रहा है। प्रभसिमरन ने इस बार एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। प्रभसिमरन ने अपनी टीम की ओर से सबसे अधिक चार अर्धशतक लगाये हैं। इससे पहले यह कारनामा डेविड मिलर ने साल (2013), ग्लेन मैक्सवेल ने साल (2014), क्रिस गेल ने साल (2018) और केएल राहुल ने साल (2018, 2019, 2020) सत्र में किया था। अब इन खिलाड़ियों ने लगातार 3-3 बार 50 से अधिक रन बनाये थे। प्रभसिमरन की इस शानदार उपलब्धि ने उनकी प्रतिभा का अंदाजा होता है। प्रभसिमरन पंजाब की ओर से सलामी बल्लेबाज के तौर लगातार चार पारियों में अर्धशतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी हैं। इस प्रकार उन्होंने क्रिस गेल और केएल राहुल को भी पीछे छोड़ा है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पंजाब जब 10.1 ओवर में 119 रन बना चुकी थी तभी पाक से तनाव के बीच ही सुरक्षा कारणों से मैच रोक दिया गया था। प्रभसिमरन ने दिल्ली के खिलाफ मुकाबले में नाबाद 50 रन बनाए और 12 मैचों में 487 रन पूरे कर लिए। इसी के साथ वह ऑरेंज कैप की रेस में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑरेंज कैप की सूची में सूर्यकुमार यादव 510 रनों के साथ ही पहले स्थान पर हैं।

खिलाड़ियों को घर भेजने के प्रयास में लगी बीसीसीआई

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) आईपीएल के एक सप्ताह तक लिए स्थगित होने के बाद भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को घर भेजने के बारे में सलाह कर रहा है। फ्रेंचाइजी अब विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग के बाद आगे की सलाह का इंतजार कर रही हैं कि वे भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के साथ-साथ सहयोगी स्टाफ और अन्य क्रू सदस्यों को अपने-अपने घरों को वापस कैसे भेज सकती हैं। पाकिस्तान के ड्रोने हमलों को देखते हुए धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एचपीसीए स्टेडियम में मैच पहली पारी के आधे समय के बाद रद्द कर दिया गया था। धर्मशाला और अन्य उत्तर भारतीय शहरों में हवाई अड्डे बंद होने के कारण, दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के साथ-साथ मैच अधिकारियों, कमेंटेटरों, प्रसारण दल के सदस्यों और आईपीएल से जुड़े अन्य प्रमुख कर्मियों को शुक्रवार सुबह टूर्नामेंट द्वारा एक विशेष ट्रेन से धर्मशाला से निकाला गया और उनके नई दिल्ली पहुंचने की उम्मीद है। वहीं अनुमान है कि आईपीएल में भाग लेने वाला विदेशी खिलाड़ियों को भी शनिवार को वापस भेजने के प्रयास किये जाएंगे।

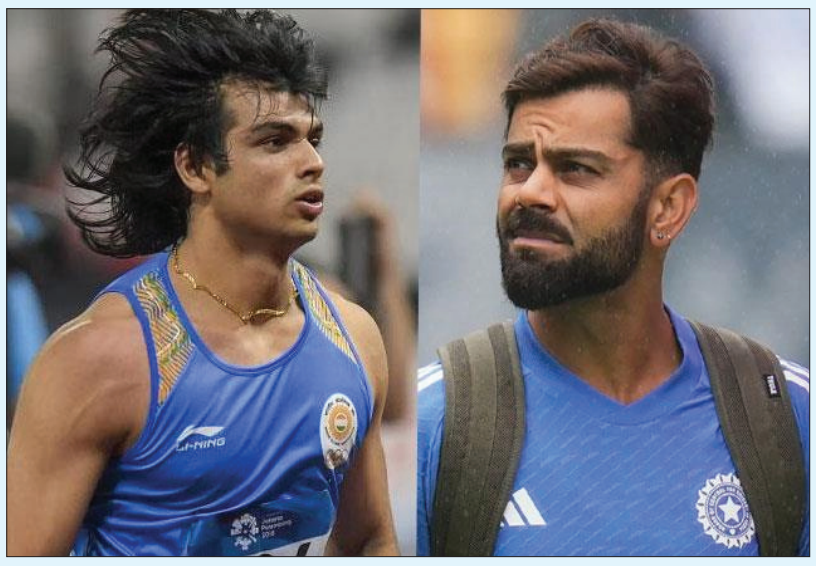

पाकिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच खिलाड़ियों ने भारतीय सशस्त्र बलों का किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा, पीवी सिंधू, रोहित शर्मा, विराट कोहली, वीरेंद्र सहवाग सहित भारत की शीर्ष खेल हस्तियों ने पाकिस्तान में आतंकी ढांचे के खिलाफ देश की सैन्य कार्रवाई के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया और उन्हें 'भारत की आत्मा' करार दिया। भारत ने जम्मू और पठानकोट सहित अपने सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने की पाकिस्तान की कोशिशों को गुरुवार रात को तुरंत विफल कर दिया था।

रोहित ने शुक्रवार को अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, 'हर गुजरते पल के साथ, हर फैसले के साथ मुझे हमारी भारतीय सेना, भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना पर बेहद गर्व महसूस होता है। हमारे योद्धा हमारे देश के गौरव के लिए खड़े हैं। प्रत्येक भारतीय के लिए जिम्मेदार होना और किसी भी फर्जी खबर को फैलाने या उस पर विश्वास करने से बचना महत्वपूर्ण है। सभी सुरक्षित रहें। ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद।'

विराट कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'हम इस कठिन समय में हमारे देश की रक्षा करने के लिए अपने सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उन्हें सलाम करते हैं। हम अपने नायकों की अटूट बहादुरी के लिए हमेशा उनके ऋणी रहेंगे और हमारे महान राष्ट्र के लिए उनके और उनके परिवारों द्वारा किए गए बलिदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।'

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, 'हमें अपने बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों पर गर्व है जो आतंकवाद के खिलाफ हमारे देश के लिए लड़ रहे हैं। आइए अपनी भूमिका निभाएं और इस दौरान सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देशों का पालन करें।'

ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू ने पोस्ट किया, 'भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए - आपका साहस, अनुशासन और बलिदान हमारे राष्ट्र की आत्मा हैं। ऑपरेशन सिंदूर जैसे क्षणों में, हमें उस मौन शक्ति और निस्वार्थ सेवा की याद आती है जो हमारे तिरंगे को ऊंचा रखती है। भारत आपके साथ खड़ा है। जय हिंद।'

धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मैच सुरक्षा कारणों से बीच में रोककर रद्द करना पड़ा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसके बाद आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

पूर्व सलामी बल्लेबाज सहवाग ने मौजूदा हालात के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। सहवाग ने एक्स पर पोस्ट किया, 'पाकिस्तान ने युद्ध का विकल्प तब चुना है जब उनके पास चुप रहने का मौका था। वे अपनी आतंकवादी संपत्तियों को बचाने के लिए आगे बढ़े हैं, उनके बारे में इतना कुछ बोलते हैं। हमारी सेनाएं सबसे उचित तरीके से जवाब देंगी, जिसे पाकिस्तान कभी नहीं भूलेगा।'

शिखर धवन ने भी भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की। धवन ने ट्वीट किया, 'हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले […] रोकने के लिए हमारे बहादुर दिलों को सम्मान। भा[…] मजबूत है। जय हिंद।' भारतीय सशस्त्र बलों ने बुध[…] तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम[…] कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हम[…] किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद [...] मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के ठिकाने भी शामिल थे[…]

विश्व कप विजेता पूर्व सलामी बल्लेबाज त्रि[…] श्रीकांत ने कहा, 'हमारे दिल और प्रार्थनाएं सीमा पर ख[…] हमारे सैनिकों के लिए हैं। अब समय आ गया है कि [...] एकता और विश्वास के साथ उनके पीछे खड़े हों। हम[…] बहादुर हमारी भूमि की रक्षा करें और दुनिया को दिख[…] कि भारत वास्तव में किसके लिए है। जय हिंद इसे हम[…] लिए जीतें।'

पूर्व विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा, 'आइए [...] सभी अपने बहादुर भारतीय सशस्त्र बलों के पीछे ख[…] हों क्योंकि वे हमारे देश की रक्षा करते हैं। हम हमे[…] आपके साथ हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्धि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूँगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिखंइ देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुँच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री को किया फोन और जरूरी दिशा-निर्देश दिए

अहमदाबाद।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से टेलिफोनिक बात की7 पीएम मोदी ने भूपेन्द्र पटेल को गुजरात की सुरक्षा तैयारियों की जानकारी ली और उन्हें जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

बता दें कि गुजरात एक सीमावर्ती राज्य है। पाकिस्तान से होने वाले हमलों का सीधा असर गुजरात के सीमावर्ती जिलों पर पड़ सकता है। इसमें कच्छ के अलावा बनासकांठा, पाटण और जामनगर जैसे जिले शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल इन जिलों की बल्कि पूरे गुजरात राज्य की चिंता की है। उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की है और मौजूदा स्थिति की जानकारी ली है। पीएम मोदी भारत-पाकिस्तान के बीच जारी युद्ध की स्थिति पर लगातार पर नजर रख रहे हैं।

वह अपने गृह राज्य गुजरात को लेकर भी चिंतित हैं। इसलिए प्रधानमंत्री ने गुजरात के नागरिकों की जान-माल की सुरक्षा के संबंध में जानकारी लेने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के सीमावर्ती जिलों कच्छ, बनासकांठा, पाटन और जामनगर के साथ-साथ पूरे गुजरात राज्य के नागरिकों के लिए चिंता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के नागरिकों की सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी ली है। इस बात की भी जानकारी प्राप्त की कि सीमा पर गुजरात राज्य कितना तैयार है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री को गुजरात के नागरिकों और सीमावर्ती कच्छ जिलों के साथ-साथ बनासकांठा, पाटन और जामनगर के बारे में जमीनी हकीकत

से अवगत कराया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से भी अग्रिम योजना के बारे में जानकारी प्राप्त की है।

चीन ने पाकिस्तान को दी पीएल-15 मिसाइल

नई दिल्ली।

चीन ने पाकिस्तान को अपनी उन्नत पीएल -15 एयर-टू-एयर मिसाइल प्रणाली सौंप दी है। जिससे दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। चीन अब खुलकर पाकिस्तान के समर्थन में खड़ा हो गया है। जिसके कारण भारत की परेशानी बढ़ सकती है। यह मिसाइल लॉन्ग-रेंज एयर टू एयर कैटेगरी की है। जिसकी मारक क्षमता 200 से 300 किलोमीटर तक बताई जा रही है। पीएल -15 मिसाइल को चीन ने आधुनिक लड़ाकू विमानों जे -10सी और जे -20 के साथ इंटीग्रेट किया है। इस सिस्टम को पाकिस्तान वायुसेना के जेएफ -17 ब्लॉक-3 फाइटर जेट्स में शामिल किए किए जाने की संभावना सूत्रों द्वारा व्यक्त की गई है। चीन की यह कार्यवाही चीन-पाकिस्तान की गहराती रणनीतिक साझेदारी के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ बढ़ सकती हैं। पीएल -15 मिसाइल भारतीय वायुसेना के एसयू-30एमकेएल, राफेल और तेजस जैसे विमान को लंबी दूरी से निशाना बना सकती है। यह मिसाइल सक्रिय रडार होमिंग प्रणाली से लैस है। इसे इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग से बचने में सक्षम माना जाता है। भारत को इस चुनौती का सामना करने के लिए अपनी मिसाइल प्रणाली को अपग्रेड करने और रक्षात्मक उपायों को तेज़ी से बदलाव करना होगा। उल्लेखनीय है भारत पहले ही चिंता जता चुका है। चीन द्वारा पाकिस्तान को उच्च तकनीक वाले सैन्य उपकरण देने से दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन बिगड़ सकता है। सामरिक विश्लेषकों का कहना है। चीन की यह नीति भारत को रणनीतिक दबाव में रखने का एक बड़ा प्रयास है। जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामक नीतियों का हिस्सा है। इस घटनाक्रम के बाद भारतीय रक्षा मंत्रालय और वायुसेना अलर्ट मोड में आ गया हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है, यह केवल एक मिसाइल ट्रांसफर नहीं, बल्कि भारत के लिए एक रणनीतिक संदेश भी है। जो भारत को अपनी वायु शक्ति को और अधिक उन्नत करने के लिए बाध्य कर सकता है।

सांबा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे जैश के सात आतंकियों को बीएसएफ ने किया ढेर

सेना ने कहा- भारत की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए जरुरी कदम उठाएंगे

श्रीनगर।

भारत-पाकिस्तान के तनाव के बीच जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर में बीती रात बीएसएफ ने जैश-ए-मोहम्मद के सात आतंकियों को ढेर कर दिया, जो सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से लगातार हो रही उकसावे वाली गतिविधियों के बीच हुई। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि यह घुसपैठ ऐसे समय में हुई जब भारत ने जम्मू, पठानकोट, उधमपुर समेत कई सैन्य ठिकानों पर पाकिस्तान के हमलों की साजिश को नाकाम कर दिया। सीमा सुरक्षा बल की सतर्कता और तेज प्रतिक्रिया के चलते जैश के सभी घुसपैठिए मारे गए। भारतीय सेना ने बताया कि 8 और 9 मई की दरम्यानी रात पाकिस्तान की सेना ने पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और अन्य हथियारों के जरिए कई मोर्चों पर हमले की कोशिश की। साथ ही एलओसी पर कई बार सीजफायर का उल्लंघन भी किया। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए इन सभी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया है। सभी ड्रोनों को मार गिराया है और सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। सेना ने साफ कहा कि भारत की एक-एक इंच जमीन की रक्षा के लिए हर जरुरी कदम उठाया जाएगा और किसी भी प्रकार की घुसपैठ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गुरुवार को पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर से लेकर जैसलमेर तक भारत के करीब 15 शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की थी, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की मुस्तैदी के चलते यह कोशिश नाकाम कर दी गई। ताजा घटना भारत की सुरक्षा एजेंसियों की चुस्ती, सतर्कता और तैयारी का प्रमाण है, जो यह तय करती हैं कि देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और रहेंगी।

भारत पर हमले की खबर ने सबको कर दिया विचलित, टीवी पर जम गए लोग

पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के बाद, लोगों की जान में जान आई

पटना।

पाकिस्तान की ओर से भारत पर कई जगहों पर एक साथ हमले किए गए। ये हमले जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में किए गए, जिसमें भारतीय एयरबेस को भी टारगेट किया गया था। भारतीय वायु रक्षा प्रणाली की सतर्कता के चलते दुश्मन के मंसूबे आसमान में ही ध्वस्त हो गए। जैसे ही यह खबर लोगों तक पहुंची, बिहार में एक अजीब सा सन्नाटा छा गया। आमतौर पर गुलजार रहने वाली पटना की गलियां इस तनावपूर्ण माहौल के बीच वीरान हो गईं। लोग अपने-अपने घरों में लौट आए और टीवी के सामने बैठ गए। हर प्रतिक्रिया को जानने की बेचैनी हर चेहरे पर साफ नजर आ रही थी। केवल घर ही नहीं, बल्कि सफर कर रहे लोग भी इस खबर से विचलित दिखे। ट्रेन और बस में सफर करने वाले यात्री अपने मोबाइल पर भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव की जानकारी ले रहे थे। सबकी जुबां पर बस एक ही चर्चा- क्या भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध शुरु हो गया? इसी तरह पटना से बेतिया जा रही एक बस में बैठे यात्री ने पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी थी। सभी यात्रियों की भावनाएं देशभक्ति से भरी थीं। बस में बैठे यात्री ने भावुक होकर कहा कि हमने अभी देखा है कि पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन भारत ने उसका मुंहतोड़ जवाब दे दिया है। हमारा देश कमजोर नहीं है।बता दें गुरुवार रात भारतीय

एयर डिफेंस सिस्टम ने समय रहते कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान की ओर से दागे गए मिसाइल को हवा में ही मार गिराया। इस हमले में अब तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन देशभर में इस घटनाक्रम के बाद अलर्ट कर दिया गया है।

कोटा में 7 जुलाई तक नहीं उड़ा सकेंगे ड्रोन, पालन नहीं करने पर होगी कार्रवाई

शादियों और धार्मिक आयोजन में फोटोग्राफी करने 10 मीटर तक उड़ाने की इजाजत

कोटा।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत निषेधाज्ञा आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत कोटा शहर में स्थित आर्मी एरिया, थर्मल पावर स्टेशन, एयरपोर्ट, कोटा बैराज, डीसीएम तथा कोटा ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल), गोयल प्रोटीन (थाना मंडाना), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ऑयल डिपो बृजेशपुरा (थाना कैथून), चंबल फर्टीलाइजर केमिकल लिमिटेड (सीएफसीएल) गढ़मान (थाना सीमलिया), नवनेरा डैम (थाना बूढ़ादीत), मंगलम सीमेंट लिमिटेड मोडक (थाना मोडक) एवं इनके आसपास 50 मीटर की परिधि को ड्रोन संचालन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया है। आदेश के मुताबिक इन प्रतिबंधित क्षेत्रों के अलावा पूरे कोटा जिले में बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाना वर्जित रहेगा। यह आदेश 8 मई की 12 बजे से 7 जुलाई 2025 की सुबह 6 बजे तक

प्रभावशील रहेगा। हालांकि यह प्रतिबंध सेना, पुलिस, सशस्त्र बल, होमगार्ड, रेलवे और अन्य सरकारी गतिविधियों पर लागू नहीं होगा। जिले में आयोजित धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों में फोटोग्राफी के लिए 10 मीटर की ऊंचाई तक ड्रोन उड़ाने की इजाजत होगी। जिला प्रशासन ने यह आदेश सार्वजनिक हित में जारी किया है ताकि कोटा जिले में शांति, सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनी रहे। आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। सिटी एसपी व ग्रामीण एसपी को आदेश की सख्ती से पालना करने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत-पाक तनाव के बीच परीक्षा रद्द करने का जारी हुआ नोटफिकेशन, यूजीसी ने बताया फर्जी

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए, एक फर्जी वेबसाइट से नोटफिकेशन जारी हुआ है कि देशभर के कॉलेजों में ग्रेजुएशन और डिप्लोमा स्तर की परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं। इस नोटिफिकेशन को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने गलत और झूठा बताया है। यूजीसी के नोटिस में कहा गया है कि यूजीसी के नाम से एक मनगढ़ंत सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि युद्ध की स्थिति के कारण सभी परीक्षाएं रद्द कर दी गई हैं और छात्रों को घर लौटने की सलाह दी है। यूजीसी ने कहा कि यह नोटिस फर्जी है। युद्ध से उत्पन्न असाधारण और आकस्मिक स्थिति के मद्देनजर और छात्रों उनके परिवारों और संस्थानों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के मद्देनजर यूजीसी निम्नलिखित सलाह जारी करता है। मई, 2025 में तय स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा और प्रमाणन स्तर की सभी परीक्षाएं तत्काल प्रभाव से अगली सूचना तक रद्द कर दी गई हैं। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे सुरक्षा के हित में जल्द से जल्द अपने घर लौट जाएं। इस

बीच पंजाब और राजस्थान के कई जिलों के सभी स्कूल और कॉलेज अगले आदेश तक बंद रखने का आदेश दिया गया है। पंजाब के फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, अमृतसर, तरनतारन और गुरदासपुर जिलों के सभी स्कूल और कॉलेज 11 मई तक बंद रहेंगे। आईके गुजराल पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय ने भी अपनी अंतिम सेमेस्टर परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। राजस्थान में, श्री गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में सरकारी और निजी स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

भारत ने पाक को मारी दोहरी मार, ऊपर से बम तो जमीन पर पानी का सैलाब

नई दिल्ली।

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ हमले की हिमाकत की, तो उसे जवाब भी मिल गया। एक ओर आसमान से उसकी मिसाइलें और ड्रोन भारतीय फौजों की सतर्कता के आगे टिक नहीं पा रही हैं, तो दूसरी ओर जमीन पर भारत ने पानी का सैलाब छोड़ दिया जिसने पाकिस्तान को हिला कर रख दिया है। गुरुवार को पाकिस्तान की ओर से किए गए सैन्य हमलों का भारतीय सेना ने करारा जवाब दिया। इसके बाद शुकवार सुबह रामबन जिले में स्थित बगलिहार हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के गेट सुबह 8:15 बजे खोल दिए गए। इससे पहले भारत ने कुछ दिन पहले ही इन डैमों के गेट बंद कर दिए थे, जिससे पाकिस्तान में चिनाब नदी का जलस्तर नीचे आ गया था। अब भारी बारिश और डैम के भर जाने से जब गेट खोले गए, ऐसे में वहां बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। इसके बाद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर और ज्यादा दबाव बन जाएगा। गुरुवार शाम पाकिस्तान ने जम्मू, पठानकोट, उधमपुर, जैसलमेर, पोखरण, जालंधर और भुज जैसे रणनीतिक सैन्य ठिकानों को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बनाने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने अपनी ताकत और मुस्तैदी से हर कोशिश को नाकाम कर दिया। भारतीय सेना ने तीन पाकिस्तानी फाइटर जेट्स को भी मार गिराया, जिनमें दो जेएफ-17 और एक एफ-16 शामिल थे। ये फाइटर जेट भारतीय हवाई क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें सतर्क रडार सिस्टम और फाइटर स्क्वाड्रन की मदद से हवा में ही निशाना बनाया गया है। जम्मू-कश्मीर के उरी, अखनूर और पुंछ जैसे सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल हमलों के साथ फायरिंग भी की। कई घरों को नुकसान पहुंचा, लेकिन भारतीय सेना की तत्परता से हालात काबू में रहे। जम्मू के सतवारी में सुबह आसमान में संदिग्ध गतिविधि दिखने पर भारतीय जवानों ने तुरंत फायरिंग कर फ्लाइंग ऑब्जेक्ट को नष्ट कर दिया। भारत की रक्षा प्रणाली में शामिल रूस निर्मित एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों में अहम भूमिका निभाई। राजौरी और पुंछ की नियंत्रण रेखा पर जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई, लेकिन

भारत की तरफ से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। जम्मू यूनिवर्सिटी के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया गया। भारत ने पाकिस्तान को सिर्फ हथियारों से ही नहीं, पानी के जरिए भी करारा जवाब दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच 1960 में हुई सिंधु जल संधि को विश्व बैंक ने मध्यस्थता के जरिए लागू कराया था। इस संधि के तहत भारत को पूर्वी नदियों (सतलुज, रावी, ब्यास) का और पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) का अधिकार मिला था, लेकिन हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत के बाद भारत ने इस संधि को रद्द करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

केंद्र सरकार ने डिफेंस इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों को दिल्ली बुलाया

नई दिल्ली।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच, भारत फोर्ज लिमिटेड के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर बाबासाहेब नीलकंठ कल्याणी ने कहा कि सरकार ने डिफेंस इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनियों को दिल्ली बुलाया है। उन्होंने यह बात इस सवाल के जवाब में कही। भारत फोर्ज लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को उछाल के साथ 1132 रुपए पर पहुंच गए हैं।

भारत फोर्ज लिमिटेड के सीएमडी ने कहा कि हमें अगले हफ्ते दिल्ली बुलाया गया है, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं बता सकता। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड दूसरी प्रमुख डिफेंस कंपनियां हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो हफ्तों में डिफेंस स्टॉक्स का मार्केट कैप करीब 5 बिलियन डॉलर बढ़ा है। कल्याणी ग्रुप आर्टिलरी सिस्टम्स, प्रोटेक्टेड व्हीकल्स, आर्मर्ड व्हीकल्स अपग्रेड, गोला-बारूद, मिसाइल, एयर डिफेंस सॉल्यूशंस और डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स बनाती है।

भारत डायनामिक्स लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 4 फीसदी से ज्यादा उछाल के साथ 1518.80 रुपए पर पहुंच गए। वहीं, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा के उछाल के साथ 316.35 रुपए पर ट्रेड कर रहे हैं। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के शेयर 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 4529.80 रुपए पर जा पहुंच गए। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड एलसीए तेजस और सुखोई बनाती है। वहीं, भारत डायनामिक्स लिमिटेड गाइडेड मिसाइल्स, अंडरवाटर वीपंस और इंडियन ऑर्म्ड फोर्सेज के लिए एलाइड डिफेंस इक्विपमेंट बनाती है, जिनमें आकाश मिसाइल भी शामिल है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लैंड बेस्ड रडार, नेवल सिस्टम्स और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम्स बनाती है।

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश की लोगों से अपील, गलत सूचनाओं या अपुष्ट खबरों पर ध्यान न दे

लखनऊ।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने नागरिकों से संयम और जिम्मेदाराना व्यवहार करने का अनुरोध किया। उन्होंने लोगों से ऑनलाइन प्रसारित होने वाली गलत सूचनाओं या अपुष्ट खबरों पर ध्यान न देने का आग्रह किया है। सोशल मीडिया पोस्ट में अखिलेश ने लिखा, हमें अपने बहादुर सशस्त्र बलों पर गर्व है। हम सभी देश के साथ खड़े हैं। उन्होंने लोगों से शांत रहने और किसी भी अपुष्ट रिपोर्ट को फैलाने से बचने की अपील की। अखिलेश ने लिखा, यह संकट का समय है, जिसमें और भी अधिक समझदारी की आवश्यकता है। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे किसी भी अपुष्ट समाचार या सूचना पर विश्वास न करें या प्रसारित न करें। ऐसी अफवाहें देश के दुश्मनों द्वारा फैलाई गई झूठी बातें हो सकती हैं उनकी साजिश या षड्यंत्र का हिस्सा हो सकती हैं। शांत रहें और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस विपत्ति के समय में एकता दिखाएं।

कच्छ के तीन बंदरगाहों पर अगले आदेश तक मच्छीमारी पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

अहमदाबाद।

भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच कच्छ के तीन बंदरगाहों पर मछली पकड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए गए हैं। सरकारी अधिसूचना के मुताबिक कच्छ के तीन मछली पकड़ने वाले बंदरगाह लैंडिंग केंद्रों - नारायण सरोवर, जखौ और लखपत के समुद्री क्षेत्र में मछुआरों द्वारा सभी प्रकार की मछली पकड़ने पर अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। दूसरी ओर मत्स्यपालन कार्यालय ने खराब मौसम और तेज हवाओं के पूर्वानुमान के कारण कच्छ के सभी मछुआरों से समुद्र में न जाने का अनुरोध किया है तथा जो मछुआरे समुद्र में हैं, उन्हें तुरंत वापस लौटने को कहा है। मत्स्य कार्यालय अगली सूचना तक समुद्र में जाकर मछली पकड़ने के लिए टोकन जारी नहीं करेगा। भुज-कच्छ के मत्स्य पालन के सहायक निदेशक ने मछुआरों को सलाह दी है। इसके अतिरिक्त, सहायक मत्स्य अधिकारी ने कच्छ के सभी मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों और मछली उतारने वाले केंद्रों के मछुआरों, सामुदायिक नेताओं, नाव संघ के अध्यक्षों और नाव मालिकों से इन निर्देशों का पालन करके सहयोग करने की अपील की है।

वकील पर जानलेवा हमला करने वाला मुख्य आरोपी अनिल हाईवे से गिरफ्तार

प्रयागराज।

प्रयागराज के मऊ आइमा में वकील मान सिंह यादव को गोली मारने वाले मुख्य आरोपी अनिल यादव को पुलिस ने जूड़ापुर दांदू गांव के पास बनारस-कानपुर हाईवे से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास एक तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ है। इस मामले में दो अन्य आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। पीड़ित वकील के भाई ने पुलिस में दी शिकायत में अनिल यादव को मुख्य आरोपी बताया था। एडिशनल डीसीपी के मुताबिक वारदात के बाद से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। पुलिस को सूचना मिली कि अनिल यादव जूड़ापुरदांदू में छिपा है। इस सूचना पर पुलिस ने छापेमारी कर उसे दबोच लिया। वारदात का कारण सरकारी तालाब पर कब्जे का विवाद था।

सैदपुर हॉस्टल में छात्र की गोली मारकर हत्या

पटना।

पटना में सैदपुर हॉस्टल में शुक्रवार सुबह एक छात्र चंदन कुमार (22) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चंदन कुमार, वारसलीगंज का रहने वाला था। दरअसल, सैदपुर हॉस्टल में दो छात्रों के बीच हुए विवाद में एक छात्र ने चंदन कुमार को गोली मार दी। घायल चंदन को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। आरोपी छात्र घटना के बाद से फरार है। हॉस्टल के गार्ड ने घटना की सूचना थाने को दी। पुलिस ने मौके से गोली का एक खोखा बरामद किया है। वहीं घटना के बाद सिटी एसपी (पूर्वी) ने घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि घटना की जांच और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

युद्ध की स्थिति में कलेक्टर कार्यालय में वार रूम की शुरुआत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न युद्ध की तनावपूर्ण स्थिति में सूरत शहर को कैटेगरी-1 में रखा गया है। सूरत जिले के प्रशासन ने भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध की स्थिति में चिकित्सा आपातकाल के लिए तैयारियाँ पूरी कर ली हैं। सिविल और स्मीमियर अस्पतालों में दवाओं का स्टॉक, डॉक्टरों की टीम, और बिजली कटौती की स्थिति में जनरेटर की व्यवस्था भी की गई है। दूसरी ओर, समुद्र तट पर गहन पेट्रोलिंग की जा रही है। कलेक्टर कार्यालय में सेना की तीनों शाखाओं के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए एक वॉर रूम शुरू किया गया है।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के कारण गुजरात के जिलों को अलर्ट पर रखा गया है। सूरत के समुद्र तटीय क्षेत्र में भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुंवाली बीच पर पुलिस का गहन पेट्रोलिंग किया जा रहा है, जिसमें पीआई सहित पुलिस स्टाफ द्वारा पैदल पेट्रोलिंग भी की जा रही है। संदिग्ध गतिविधियों पर पुलिस की चौकस नजर है और पुलिस हर छोटी से छोटी गतिविधि पर निगरानी रख रही है।

वार रूम शुरू

भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण स्थिति के बीच सूरत को अलर्ट पर रखा गया है। सूरत कलेक्टर कार्यालय में एक वार रूम शुरू किया गया है। यह वार रूम सेना, नौसेना और एयरफोर्स के साथ संपर्क बनाए रखेगा। सूरत शहर के पुलिस कमिश्नर भी वार रूम से सीधे संपर्क में रहेंगे। इस वार रूम से केंद्र सरकार से सीधा संपर्क किया जा सकेगा। केंद्र सरकार की दिशा-निर्देशों के अनुसार यह वार रूम शुरू किया गया है।

युद्ध की स्थिति में कलेक्टर कार्यालय में वार रूम की शुरुआत, समुद्र तट पर गहन पेट्रोलिंग, नागरिकों के लिए 3 महीने का दवाइयों का स्टॉक तैयार किया गया है।

दवाइयों का स्टॉक

इस बारे में नई सिविल अस्पताल के मेडिकल अधिकारी डॉ. भरत चावड़ा ने कहा कि तीन महीने तक चलने वाला दवाइयों का स्टॉक तैयार किया गया है। इसके अलावा, पट्टी, कॉटन और सर्जरी के लिए आवश्यक अन्य सामग्री भी स्टॉक की गई है। नई सिविल अस्पताल में यदि बिजली कटौती होती है तो भी मरीजों को इलाज मिल सके, इसके लिए जनरेटर और डीजल की व्यवस्था की गई है।

जीप चालक ने नशे में धुत होकर दुर्घटना की विकट स्थिति उत्पन्न की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अडाजण क्षेत्र में एक बार फिर शराब के नशे में धुत होकर दुर्घटना करने की घटना सामने आई है। वन विभाग अधिकारी की जीप के चालक ने शराब के नशे में तीन बाइक सवारों को टक्कर मारी थी।

वन विभाग अधिकारी की जीप के चालक ने शराब के नशे में तीन बाइक सवारों को टक्कर मारी, तीन लोग घायल।

दुर्घटना के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए और चालक को पकड़ लिया। फिर पुलिस को सूचित किया गया, जिसके बाद चालक को अडाजण पुलिस के हवाले कर दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के अडाजण क्षेत्र में देर रात लाल बत्ती और सायरन वाली वन विभाग अधिकारी की जीप द्वारा तेज गति से दुर्घटना घटित हुई थी। एक के बाद एक तीन बाइक सवारों को टक्कर मारी गई थी। इस हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए थे। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया था।

दुर्घटना को अंजाम देने वाले जीप चालक को जीप से बाहर निकाला गया था। इसके बाद लोगों को जीप में देशी शराब की बोतलें भी मिलीं। शराब के नशे में ड्राइवर होने की जानकारी मिलने पर लोगों में गुस्सा फूट पड़ा था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और वन विभाग अधिकारी की जीप के चालक को पुलिस के हवाले कर दिया गया। फिलहाल इस मामले में अडाजन पुलिस द्वारा और जांच की जा रही है।

नवसारी में शराब की तस्करी करती महिला पकड़ी गई

नवसारी LCB ने एक लग्जरी कार में दमन से शराब भरकर सूरत ले जा रही महिला को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी LCB (लोकल क्राइम ब्रांच) ने एक लग्जरी कार में दमन से शराब भरकर सूरत ले जा रही महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने महिला से कुल 8.13 लाख रुपये का मुद्दामाल (शराब व वाहन सहित) जब्त किया है।

नवसारी एलसीबी पुलिस ने बोरियाच टोल नाके के पास शराब की तस्करी कर रही एक महिला को गिरफ्तार किया है। सूरत निवासी कारचालक माया पटेल ग्रैंड विटारा कार में शराब की खेप लेकर जा रही थी। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली, तो उसके पीछे बने गुप्त चोरखाने से 1,08,275 मूल्य की 323 व्हिस्की की बोतलें बरामद की गईं।

पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि यह शराब दमन के सुकलो नामक व्यक्ति ने भरवाकर दी थी। पुलिस ने अब सुकलो को वॉन्टेड घोषित किया है।

जांच में यह भी सामने आया कि महिला नकली नंबर प्लेट के साथ कार चला रही थी। ग्रैंड विटारा कार उसके जेठ के नाम पर रजिस्टर्ड है। माया पटेल के खिलाफ सूरत में पहले से ही दो शराबबंदी (प्रोहीबिशन) के मामले दर्ज हैं। उसका पति भी शराब की बिक्री के धंधे से जुड़ा हुआ है। पुलिस ने शराब, मोबाइल फोन और ग्रैंड विटारा कार समेत कुल 8,13,275 का मुद्दामाल जब्त किया है।

यह उल्लेखनीय है कि दक्षिण गुजरात में शराब की मांग बढ़ने के चलते अब बूटलेगर्स महिलाएं इस्तेमाल कर रहे हैं, जो महंगी और लग्जरी दिखने वाली कारों में शराब की तस्करी करती हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि महिलाएं कम संदेह के घेरे में आती हैं, इसी धारणा के चलते ऐसी तस्करी के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है।

पेड़ों की अंधाधुंध कटाई

पेड़ों की कटाई और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम हर साल पर्यावरण की देखभाल के लिए शहर में लाखों पेड़ लगाता है। लेकिन इसके बाद उचित देखभाल न होने के कारण कुछ तत्व नगर निगम द्वारा लगाए गए पेड़ों की अंधाधुंध कटाई कर रहे हैं। इसमें कभी-कभी नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा भी विलन की भूमिका निभाते हुए अत्यधिक छंटाई की जाने की शिकायतें सामने आई हैं।

सूरत के एक पूर्व कॉर्पोरेटर ने रांदेर जोन में शिकायत की है कि अडाजन रंगीला सर्कल महालक्ष्मी मंदिर के पास कई पेड़ों की अत्यधिक छंटाई की गई है और एक दुकानदार को फायदा पहुंचाने के लिए पूरा पेड़ जड़ से काट दिया गया है। इस तरह की विवादास्पद गतिविधियों के लिए नगर निगम के गार्डन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी जिम्मेदार हैं। इसके अलावा, एक दुकान के बाहर भी पूरा पेड़ काट दिया गया है।

इस प्रकार पेड़ों की कटाई और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कर्मचारियों और दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है।

हजीरा पोर्ट पर हाई अलर्ट, आठवां वॉर रूम शुरू, सिविल अस्पताल में दवाइयों और डीजल का स्टॉक किया गया, छुट्टियां रद्द

युद्ध की स्थिति में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सुविधाओं का भी निरीक्षण किया जा रहा है।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भारत-पाकिस्तान युद्ध की स्थिति में सूरत को श्रेणी-1 में रखा गया है, जिसके तहत केंद्र सरकार और तीनों सैन्य अंगों से सीधे संपर्क स्थापित किया जा सकता है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग के समन्वय से आठवालीन्स पर 'वॉर' रूम स्थापित किया गया है। यह रूम नागरिक सुविधा केंद्र में शुरू किया गया है, जिससे केंद्र सरकार, सेना, नौसेना, थलसेना और वायुसेना से सीधे संपर्क किया जा सकता है, और पुलिस कमिश्नर भी सीधे जुड़ा रहेगा।

कलेक्टर ने सिविल डिफेन्स की बैठक बुलाई है। दूसरी ओर, सिविल अस्पताल में तीन महीने के लिए दवाइयों का स्टॉक किया गया है। बुधवार को विभिन्न स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी, इसके बाद शाम 7:30 से 8:00 बजे तक ब्लैक आउट भी किया गया था। गुरुवार रात पाकिस्तान ने भारत के विभिन्न स्थानों पर हमले किए, जिससे सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। कलेक्टर डॉ. सौराब पारगी ने शुक्रवार को सिविल डिफेन्स स्टाफ के साथ बैठक का आयोजन किया है। सूरत से केंद्र सरकार के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। सरकार से जो भी निर्देश प्राप्त होंगे, उनके अनुसार जिला प्रशासन कार्य करेगा। इसके अलावा, आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए सभी सुविधाओं की जांच भी की गई है। सिविल अस्पताल के मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं और जो कर्मचारी छुट्टी पर हैं, उन्हें तत्काल ड्यूटी पर उपस्थित होने का आदेश दिया गया है।

युद्ध की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सिविल अस्पताल में 2 से 3 महीने चलने के लिए दवाइयों का स्टॉक कर दिया गया है। इसके अलावा, पट्टा बांधने के लिए कॉटन पट्टी सहित सर्जरी के लिए जरूरी सभी सामग्री का भी स्टॉक किया गया है। जनरेटर के लिए डीजल की व्यवस्था भी की गई है। > डॉ. केतन नायक, आरएमओ, सिविल अस्पताल

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए हजीरा के समुद्री पट्टी पर सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया गया है और मरीन पुलिस ने भी समुद्र में पेट्रोलिंग शुरू की है। विशेष रूप से समुद्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास नेवी के स्टाफ को जहाज और हेलीकॉप्टर के साथ तैनात किया गया है। इसके अलावा, समुद्र में 12 नॉटिकल मील के भीतर कोस्ट गार्ड को तैनात किया गया है। इसके अलावा, मरीन पुलिस का स्टाफ आधुनिक हथियारों जैसे मशीन गन के साथ नाव में 3 से 4 नॉटिकल मील तक समुद्र में पेट्रोलिंग करेगा। विशेष रूप से हजीरा-डुमस और इच्छापोर में 23 कंपनियाँ स्थित हैं। इन कंपनियों के प्रवेश द्वारों पर पुलिस स्टाफ तैनात किया गया है। इसी तरह डभारी, टेना खाड़ी, मरीन, हजीरा, इच्छापोर, डुमस, ड्रीम सिटी और सचिन जीआईडीसी के समुद्री किनारे क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस और मरीन पुलिस पेट्रोलिंग करेगी।

भारत-पाक युद्ध की स्थिति में, सूरत श्रेणी-1 में आता है, इस कारण कलेक्टर-पुलिस के समन्वय से तैयारियाँ शुरू की गई हैं।

बीलीमोरा सरकारी आईटीआई में

9 और 10 मई 2025 को प्रोजेक्ट एग्जिबिशन कम कॉम्पिटिशन का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बीलीमोरा सरकारी आईटीआई में 9 और 10 मई 2025 को प्रोजेक्ट एग्जिबिशन कम कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सूरत रीजन के अंतर्गत आने वाले सात जिलों की 56 आईटीआई के प्रशिक्षुओं की सहभागिता से संपन्न हुआ।

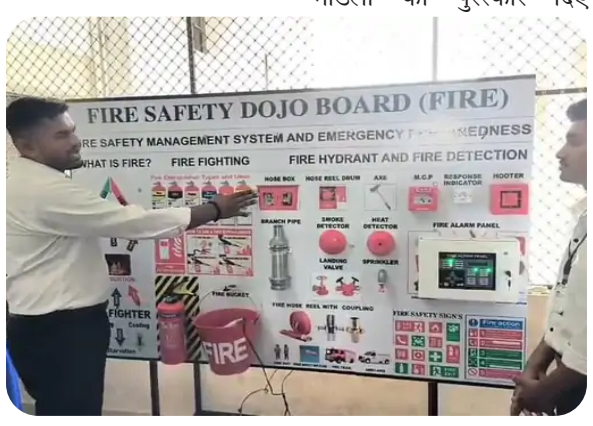

करीब 700 प्रशिक्षुओं ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर विभिन्न तकनीक-आधारित मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉडलों में इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, आईटी, ऑटोमोबाइल, केमिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल थे। इसके अलावा सिविल, फैब्रिकेशन, गारमेंट और हेल्थ-ब्यूटी से जुड़े मॉडल भी प्रदर्शित किए गए। आधुनिक तकनीकों पर आधारित सोलर ड्रोन, इलेक्ट्रिक वाहन और सीएनसी वीएमसी जैसे मॉडल भी खास आकर्षण रहे।

तकनीकी संस्थानों और उद्योग के विशेषज्ञों ने प्रत्येक मॉडल का मूल्यांकन किया। सर्वश्रेष्ठ मॉडलों को पुरस्कार दिए गए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षण में रुचि बढ़ाना, कौशल का विकास करना और रोजगारयोग्यता को बढ़ावा देना था।

6700 से अधिक दर्शकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिनमें छात्र, शिक्षक, उद्योग प्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक शामिल थे। सूरत रीजन की डिप्टी डायरेक्टर आशाबेन पटेल और सभी नोडल प्रिंसिपलों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय में कर्मचारियों को सुरक्षा और सावधानी की विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा 9 मई को दोपहर 12:00 बजे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए सुरक्षा और सावधानी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वर्तमान परिस्थितियों और संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य सुरक्षा जागरूकता बढ़ाना और आपात स्थिति में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना था।

इस प्रशिक्षण सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. किशोरसिंह चावड़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे और कर्मचारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी मेहुल मोदी ने यह बताया कि किसी भी आपात स्थिति या दुर्घटना के समय किस प्रकार से सुरक्षा रखी जा सकती है और किस प्रकार सावधानी बरतनी चाहिए। कार्यक्रम में फायर सेफ्टी, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आवश्यक व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

इस प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के अधिकारीगण और बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।